सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

कुलदीप-बुमराह बाग लादेश के बल्लेबाजो पर कहर बनकर टूट..... -पेज: 7

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड फेम साहेर बंबा ने बताया आर्यन खान के साथ काम... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 169 | शुक्रवार 26 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

प्रियंका गांधी वाड्रा शुक्रवार को पटना में करेंगी महिला सम्मेलन और मोतिहारी में रैली

पटना (एजेंसी): कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा शुक्रवार को बिहार के दौरे पर आएंगी तथा इस दौरान वह महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों से संवाद करेंगी और एक जनसभा को संबोधित करेंगी। बिहार के कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने यहां प्रेसवार्ता इसकी जानकारी दी। प्रेसवार्ता में उनके साथ कांग्रेस महासचिव सैयद नसीर हुसैन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार एवं अन्य नेता मौजूद थे। खान ने बताया, प्रियंका गांधी वाड्रा पूर्वा करीब 12 बजे यहां महिला संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। इसके बाद अपरा तीन बजे वह मोतिहारी में एक जनसभा को संबोधित करेंगी। यह वाड्रा का लगभग एक महीने में राज्य का दूसरा दौरा होगा। उनकी पिछली यात्रा अगस्त में वोटर अधिकार यात्रा के लिए हुई थी, जिसमें उनके भाई और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक पखवाड़े के भीतर 25 जिलों की 1,300 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की थी।

उन्होंने जख्म दिए हमने मरहम लगाया, राजस्थान की धरा से पीएम मोदी ने दी ये बड़ी सौगातें

राजस्थान (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के बांसवाड़ा में विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान की धरती से आज बिजली क्षेत्र में भारत के सामर्थ्य का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। आज राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं। यह दिखाता है कि आज देश बिजली की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, और इस रफ्तार में देश का हर हिस्सा शामिल है। हर राज्य को प्राथमिकता दी जा रही है। 2014 में हमारी सरकार ने इन हालातों को बदलने का संकल्प लिया और हमने देश के हर गांव तक बिजली पहुंचाई। हमने 2.5 करोड़ घरों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया, और जहां-जहां तार पहुंचे, वहां बिजली भी

पहुंची। इससे लोगों की जिंदगी आसान हुई और नए-नए उद्योग भी स्थापित हुए। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने बिजली के महत्व पर ध्यान ही नहीं दिया। जब 2014 में आपने मुझे सेवा का अवसर दिया और जब मैंने दायित्व संभाला, तब भारत के 2.5 करोड़ घर ऐसे थे जहाँ बिजली का कनेक्शन नहीं था। आजादी के 70 साल बाद भी देश के 18,000 गांवों में बिजली के खंभे तक नहीं लगे थे। देश के बड़े-बड़े शहरों में घंटों तक बिजली कटौती होती थी, और गांवों में तो 4–5 घंटे बिजली आ जाए, यह बड़ी बात मानी जाती थी। 21वीं सदी में जिस देश को तेजी से विकास करना है, उसे अपने यहां बिजली उत्पादन बढ़ाना ही होगा। इसमें सबसे सफल वही देश होंगे, जो स्वच्छ ऊर्जा में आगे रहेंगे। इसलिए हमारी सरकार

जब मैंने दायित्व संभाला, तब भारत के 2.5 करोड़.....

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने बिजली के महत्व पर ध्यान ही नहीं दिया। जब 2014 में आपने मुझे सेवा का अवसर दिया और जब मैंने दायित्व संभाला, तब भारत के 2.5 करोड़ घर ऐसे थे जहाँ बिजली का कनेक्शन नहीं था।

स्वच्छ ऊर्जा के अभियान को जनआंदोलन बनाकर आगे बढ़ा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार में राजस्थान पेपर लीक का केंद्र बन गया था, जल जीवन मिशन को भी कांग्रेस ने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया था, महिलाओं पर अत्याचार चरम पर था, और बलात्कारियों को संरक्षण दिया जा रहा था। कांग्रेस सरकार में बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ जैसी जगहों पर अपराध और अवैध शराब का कारोबार खूब पनपा। जब आपने भाजपा को मौका दिया, तब हमने कानून व्यवस्था को मजबूत किया और विकास परियोजनाओं में तेजी लाई। आज भाजपा सरकार राजस्थान को तेज विकास की राह पर आगे बढ़ा रही है। 2017 में हमने जीएसटी लागू कर देश को टैक्स और टोल के जंजाल से मुक्ति दिलाई। अभी नवरात्रि के पहले दिन से #नेक्स्टजेनजीएसटी में सुधार किया गया है, जिसका नतीजा यह हुआ कि आज पूरा भारत # जीएसटी बचतउत्सव मना रहा है। उपयोग की सारी चीजें अब सस्ती हो गई हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज से 11 साल पहले, कांग्रेस के समय हालात कितने खराब थे, क्योंकि कांग्रेस सरकार देशवासियों का शोषण करने में लगी हुई थी। कांग्रेस सरकार देश के लोगों को ही लूट रही थी। कांग्रेस के समय में टैक्स और महंगाई दोनों आसमान पर थे। जब आपने मोदी को आशीर्वाद दिया, तब हमने कांग्रेस की लूट को बंद किया। हमारा एक और लक्ष्य है – आत्मनिर्भर भारत। हम किसी और पर निर्भर न रहें, यह बहुत आवश्यक है। इसका रास्ता स्वदेशी के मंत्र से जाता है, और इसलिए हमें स्वदेशी के मंत्र को कभी नहीं भूलना चाहिए। मैं आप सभी से आग्रह करूंगा, खासकर देश के दुकानदारों से, कि हम जो बेचेंगे वह स्वदेशी ही हो। मैं देशवासियों से भी आग्रह करूंगा कि हम जो खरीदेंगे वह भी स्वदेशी ही हो।

लद्दाख हिंसा पर अरविंद केजरीवाल का बड़ा बयान, कहा- 'सत्ता के नशे में चूर होकर अधिकार छीन रही है बीजेपी'

नई दिल्ली (एजेंसी): लद्दाख के लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। केजरीवाल ने इन घटनाओं को "बेहद चिंताजनक" बताते हुए कहा है कि हर देशभक्त को लद्दाख के लोगों का समर्थन करना चाहिए। केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "हमने अंग्रेजों से इसलिए आजादी नहीं ली थी कि जनता उनकी बजाय बीजेपी की गुलाम बन जाए। भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों ने लोकतंत्र के लिए बलिदान दिया था, ताकि हर भारतीय को अपनी सरकार चुनने का अधिकार मिले।" लोकतंत्र को बचाने की अपील केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर

निशाना साधते हुए कहा, "आज बीजेपी सत्ता के नशे में चूर होकर एक के बाद एक राज्यों को केंद्र शासित प्रदेश बना रही है और संविधान द्वारा दिए गए अधिकार छीन रही है।" उन्होंने कहा कि लद्दाख के लोग सिर्फ अपनी वोट और सरकार चुनने का अधिकार मांग रहे हैं, लेकिन बीजेपी उनकी आवाज को दबा रही है और बार-बार वादा करके भी उन्हें यह अधिकार नहीं दे रही है। उन्होंने आगे कहा, "लोकतंत्र जनता की आवाज है। जब सरकार इस आवाज को दबाने लगे, तो जनता का यह कर्तव्य है कि वह और बुलंद आवाज में बोले। देश के लोकतंत्र को बचाना है तो इस तानाशाही के खिलाफ अब चुप नहीं बैठा जा सकता। आज लद्दाख की लड़ाई, कल पूरे देश की लड़ाई बन सकती है।" क्या है पूरा मामला? लद्दाख को राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर बुधवार (24 सितंबर) को हुए प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क उठी थी। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 80 से अधिक लोग घायल हुए। इसके बाद प्रशासन ने लेह में कर्फ्यू लगा दिया और 50 लोगों को हिरासत में लिया। हिंसक घटनाओं के बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 15 दिनों से चल रहा अपना अनशन खत्म करने का ऐलान किया।

लद्दाख हिंसा भाजपा की वादाखिलाफी का नतीजा : अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी): समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शन को केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वादाखिलाफी का नतीजा बताया है। यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीन सीमा से सटे इस संवेदनशील प्रदेश की सरहदों को और सुरक्षित करने के लिये सरकार को वहां की जनता की बात माननी चाहिये। सपा प्रमुख ने यहां प्रेसवार्ता में लद्दाख में प्रदर्शनकारियों द्वारा भाजपा का कार्यालय फूंक दिये जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा,हम लोग हिंसा के पक्षधर नहीं हैं। भाजपा के लोगों को

भी हिंसा को बढ़ावा नहीं देना चाहिये। उन्होंने कहा, लेह-लद्दाख के नेता, वहां के काउंसिल के लोग और जनप्रतिनिधियों को भाजपा के लोगों ने आश्वासन दिया था कि उन्हें राज्य का दर्जा और शक्तियां वापस दी जाएगीं। याद रखिए मुनाफा कमाना ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि नेताजी (सपा संस्थापक मुलायम सिंह) और समाजवादी लोग कहते थे कि वादाखिलाफी भी भ्रष्टाचार है। भाजपा ने वही किया, उसी का परिणाम है कि उन्हीं का कार्यालय जला दिया गया। यादव ने कहा, तमाम वीडियो और भाषण हैं जहां पर भाजपा ने लेह लद्दाख के लोगों को आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा, चूंकि वह एक संवेदनशील सीमावर्ती प्रदेश है। वहां के लोगों की जो भी मांगें हैं, उन्हें सरकार को मान लेनी चाहिए। वहां कभी चीन को लोग घुस गए थे। हमारी फौज के लोगों को किस तरह से अपमानित होना पड़ा था, इसलिए सीमावर्ती प्रदेश की सीमाओं को और सुरक्षित करने के लिए सरकार को वहां के लोगों की बात माननी चाहिए और ज्यादा बजट देकर वहां पर खुशहाली लानी चाहिए।

भाजपा चाहे जितना ध्यान भटकाने की साजिश करे, हम वंचितों को अधिकार दिलाने को संकल्पित: राहुल

बिहार (एजेंसी): कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार में अतिपिछड़ा न्याय संकल्प पत्र जारी करने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी भाजपा चाहे जितना ध्यान भटकाने की साज़िश कर ले, महागठबंधन अतिपिछड़े दलित आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग को उनका पूरा हक दिलाने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह अति पिछड़ों की बराबरी और सम्मान की लड़ाई है तथा यही सच्चा सामाजिक न्याय है। राहुल गांधी और महागठबंधन के अन्य प्रमुख नेताओं ने बुधवार को पटना में अतिपिछड़ा न्याय संकल्प पत्र जारी किया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा चाहे जितने भी झूठ और ध्यान भटकाने की साज़िश करे हम अतिपिछड़े दलित आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े समाज को उनका पूरा हक दिलाने के लिए

संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में अतिपिछड़ा समाज को मजबूत बनाने और उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अतिपिछड़ा न्याय संकल्प पत्र में ठोस वादे किए गए हैं। राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा इन समुदायों की प्रगति का सबसे बड़ा साधन है, इसलिए इस क्षेत्र में उनकी पहुंच बढ़ाने के लिए विशेष संकल्प लगए गए हैं। उन्होंने कहा, अब निजी कॉलेज और विश्वविद्यालयों में भी आरक्षण लागू होगा, निजी स्कूलों की आरक्षित आधी सीटें एससी एसटी ओबीसी ईबीसी बच्चों को मिलेंगी और नियुक्तियों में उपयुक्त नहीं मिला जैसी अन्यायपूर्ण व्यवस्था खत्म होगी। राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ शिक्षा नहीं, बल्कि अति पिछड़ों की बराबरी और सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि यही सच्चा सामाजिक न्याय और समान विकास की गारंटी है।

सीडीएस अनिल चौहान का खुलासा: 1962 युद्ध में वायुसेना न होना थी भारत की सबसे बड़ी भूल

नई दिल्ली (एजेंसी): चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि अगर 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना का इस्तेमाल किया गया होता, तो चीन का आक्रमण काफी धीमा पड़ जाता। उस समय वायु शक्ति के प्रयोग को ह्लएस्केलेटरीह्व यानी आक्रामक कदम माना जाता था, लेकिन आज स्थिति बिल्कुल अलग है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित किया है कि आधुनिक दौर में एयर पावर का इस्तेमाल जरूरी और स्वीकार्य है। जनरल चौहान पुणे में लेफ्टिनेंट जनरल एस. पी. पी. थोराट की संशोधित आत्मकथा ह्यरेवेली टू रिट्रीटह्व के विमोचन समारोह के दौरान वीडियो संदेश के जरिए बोल रहे थे। उन्होंने 1962 युद्ध से जुड़े दो बड़े रणनीतिक सबकों पर जोर दिया। वायुसेना के इस्तेमाल न करने की गलती पहला सबक, 1962 में वायुसेना को युद्ध में शामिल न करना भारत की गंभीर रणनीतिक भूल थी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान रणनीति इस अनुभव से प्रेरित है और भविष्य में चीन या किसी अन्य बाहरी खतरे का सामना करने में वायु शक्ति निर्णायक भूमिका निभाएगी। आज दुनिया के लगभग सभी देश एयर डिफेंस सिस्टम और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर निर्भर हैं। एलएसी पर टिकाऊ और मजबूत रक्षा दूसरा सबक, उस समय सीमावर्ती इलाकों में अलग-थलग चौकियां स्थापित करने की नीति विफल रही। सीडीएस चौहान ने कहा कि मौजूदा भारतीय रणनीति इसके ठीक विपरीत है, और अब एलएसी पर मजबूत बुनियादी ढांचा व हर मौसम में टिकाऊ डिफेंस तैयार किया जा रहा है। बदल चुके हैं हालात और भूगोल उन्होंने यह भी कहा कि अब भूगोल और जियोपॉलिटिक्स पूरी तरह बदल चुके हैं। 1962 में लद्दाख और नेफा (अरुणाचल प्रदेश) की परिस्थितियां अलग थीं, लेकिन उस दौर की नीतियों ने दोनों क्षेत्रों को एक समान मान लिया, जो रणनीतिक दृष्टि से गलत था। लद्दाख में चीन पहले ही भारत की जमीन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर चुका था, जबकि नेफा में भारत की स्थिति कहीं ज्यादा मजबूत थी। एयर पावर की अहमियत जनरल चौहान ने स्पष्ट किया कि अगर 1962 में वायुसेना को शामिल किया गया होता, तो भारतीय सेना को तैयारी और रणनीति बदलने के लिए अधिक समय मिल जाता। आज स्थिति यह है कि वायु शक्ति को आक्रामक कदम नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूती माना जाता है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर इसका हालिया उदाहरण है, जब भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को वायुसेना के जरिए तबाह किया।

मोदी ने बदल दिया दक्षिण एशिया का शक्ति संतुलन, भारत की सामरिक ताकत को मिली नई उड़ान

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत की सेनाओं की शक्ति बढ़ाने के लिए सदैव प्रयासरत रहने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो ताजा निर्णयों ने सामरिक दृष्टि से दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन को भारत के पक्ष में मोड़ने की दिशा में ठोस संकेत दिया है। एक ओर हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से 97 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमानों की खरीद का ऐतिहासिक सौदा किया गया है, तो दूसरी ओर जहाज निर्माण और समुद्री अवसंरचना में 69,725 करोड़ रुपये के सुधार पैकेज की घोषणा हुई है। दोनों फैसले मिलकर भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता और रणनीतिक स्वायत्तता को नई ऊँचाई देने वाले साबित हो सकते हैं। तेजस सौदे की रणनीतिक अहमियत हम आपको बता दें कि यह अब तक का सबसे बड़ा स्वदेशी लड़ाकू विमान सौदा है। इससे पहले फरवरी 2021 में 83 तेजस एमके-1ए विमानों का अनुबंध 46,898 करोड़ रुपये में हुआ था, जिसकी डिलीवरी 2024-28 के बीच होनी है। नई डील के तहत 68 सिंगल-सीट फाइटर और 29 ट्रेनर एयरक्राफ्ट शामिल हैं, जिनमें उत्तम एईएसए रडार, स्वयम-रक्षा कवच इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और स्वदेशी नियंत्रक एक्ट्यूएटर जैसे 67 अतिरिक्त घटक होंगे। इसका 64% से अधिक हिस्सा स्वदेशी तकनीक से निर्मित होगा। IAF के

पुराने मिग-21 बेड़े की सेवानिवृत्ति से ठीक पहले हुआ यह समझौता वायुसेना की ऑपरेशनल क्षमता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएगा। हम आपको बता दें कि वर्तमान में भारत के पास केवल 29 स्क्वाड्रन बचे हैं, जबकि अधिकृत संख्या 42.5 है। पाकिस्तान के पास 25 स्क्वाड्रन हैं और चीन के पास इनकी संख्या भारत से चार गुना है। ऐसे में तेजस का यह बड़ा ऑर्डर केवल संख्या भरने का प्रयास नहीं, बल्कि लंबी अवधि की युद्धक क्षमता का निवेश है। इसके साथ ही अमेरिका की कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक

हम आपको बता दें कि यह अब तक का सबसे बड़ा स्वदेशी लड़ाकू विमान सौदा है। इससे पहले फरवरी 2021 में 83 तेजस एमके-1ए विमानों का अनुबंध 46,898 करोड़ रुपये में हुआ था, जिसकी डिलीवरी 2024-28 के बीच होनी है।

(जीई) से 113 एफ-404 इंजन की डील भी सुनिश्चित हुई है, जिससे उत्पादन चक्र स्थिर होगा। एचएएल ने उत्पादन क्षमता को प्रति वर्ष 20 से बढ़ाकर 24-30 विमान तक करने का आश्वासन दिया है। इससे यह उम्मीद की जा सकती है कि वायुसेना की संख्यात्मक कमी धीरे-धीरे पूरी होगी। जहाज निर्माण और समुद्री अवसंरचना सुधार इसके अलावा, रक्षा दृष्टि से उतना ही महत्वपूर्ण फैसला जहाज निर्माण क्षेत्र में 69,725 करोड़ रुपये के सुधार पैकेज का है। इसे "मदर ऑफ हैवी इंजीनियरिंग" कहा गया है, क्योंकि यह न केवल जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाएगा बल्कि ऊर्जा, खाद्य और सामरिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को भी सुरक्षित करेगा। खास बात यह है कि आजादी के बाद पहली बार किसी सरकार ने जहाज निर्माण क्षेत्र को इतनी बड़ी मदद दी है। इस योजना में चार स्तंभ हैंझ्र कानूनी व नीतिगत सुधार : इसके तहत बड़े शिपबिल्डिंग क्लस्टर, बीमा सहायता और भारत शिप टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना होगी। इससे अनुमान है कि 30 लाख रोजगार पैदा होंगे और 4.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होगा। इससे भारत न केवल वाणिज्यिक जहाज निर्माण में आगे बढ़ेगा बल्कि नौसेना के लिए स्वदेशी युद्धपोतों और सप्लाई जहाजों की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी। आत्मनिर्भरता और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन इन दोनों पहलों का सम्मिलित प्रभाव देखें तो निश्चित रूप से यह भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को नई दिशा देगा। तेजस सौदा यह संदेश देता है कि भारत अपनी वायु शक्ति को विदेशी आयात पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहने देगा।

संपादकीय

वसूली एजेंट बनाया

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, अदालतें धन वसूली के लिए एजेंट के तौर पर काम नहीं कर सकतीं। बकाया की वसूली के लिए गिरफ्तारी की धमकी नहीं दी जा सकती। अदालत ने धनवसूली के लिए आपराधिक मामले दर्ज कराने पर भी नाराजगी व्यक्त की और कहा यह पूरी तरह से दीवानी विवाद है। उप्र में आपराधिक मामले में वसूली को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति के खिलाफ अपहरण के आरोप लगाए गए थे। अदालत ने गिरफ्तारी से पहले दिमाग लगाने की सलाह देते हुए समझने को कहा कि मामला दीवानी का है, या आपराधिक। आपराधिक कानून का दुरुपयोग न्याय प्रणाली के लिए खतरा पैदा कर रहा है। पुलिस सोय अपराधों में प्राथमिकी दर्ज नहीं करती तो सुप्रीम कोर्ट की 2013 के ललिता कुमार फैसले का पालन न करने पर फटकार भी लगाई जाती है। अदालत ने सुझाव दिया कि राज्य हर जिले में नोड़ल अधिकारी अधिमानतः सेवानिवृत्त जिला जज को नियुक्त कर सकता है जो पुलिस को बताएं कि मामला दीवानी अपराध है, या फौजदारी। बेशक, पीड़ित विवादों के जल्द निपटान के लिए दीवानी विवादों को फौजदारी में दर्ज कराने को उत्सुक रहते हैं। लंबी कानूनी लड़ाई से बचने के उद्देश्य से लोग ऐसा मार्ग चुनने को बेबस होते हैं, जिससे समय व धन, दोनों की बचत हो सके। धनवसूली के उद्देश्य से होने वाली मार-पिटाई, झड़प, हाथापाई या आपराधिक हरकतों से मुकरा नहीं जा सकता। अगर फौजदारी/दीवानी का फर्क करने के लिए अतिरिक्त चैनल बनाया जाएगा तो विवाद का अवधि और भी लंबी हो सकती है। यह जिम्मा वकीलों के सुपुर्द करना बेहतर हो सकता है क्योंकि कई दफा खुद वकील मामले को गंभीर बनाने और जल्द सुनवाई के लोभ में अनाप-शनाप आरोप जोड़ते जाते हैं। वे सलीके से भांप सकते हैं कि मामला दरअसल, फौजदारी का है, या दीवानी का। दूसरे, बहुत गंभीर मामला न होने पर उसकी मियाद बढ़ाना रोका जाए। निचली अदालतों से लेकर हाई कोर्ट तक लाखों की संख्या में मुकदमे लंबित पड़े.हैं, जिनका निपटान समय पर करने की जरूरत बढ़ती जा रही है। पुलिस को भी अपनी भूमिका मुस्तैदी से निभाने में कोताही नहीं करनी चाहिए। मामला बड़ा हो या बहुत छोटा, आपराधिक कानूनों का दुरुपयोग उचित नहीं कहा जा सकता। दीवानी मामले को फौजदारी बनाने पर अदालतों को सख्ती बरतनी चाहिए और जरूरत होने पर वकीलों या पुलिस पर जुमार्ना भी लगाना चाहिए ताकि ऐसी गलतियां दोहराई न जा सकें।

जितना स्वस्थ होगा पर्यावरण, उतना बेहतर होगा स्वास्थ्य

योगेश कुमार गोयल

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो व.हीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है। पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। 2025 के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का विषय है 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ लोग', जो स्वच्छ वायु और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध पर जोर देता है। प्रदूषकों से मुक्त वायु श्वसन संबंधी बीमारियों को सीमित करने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2024 में यह दिवस 'पर्यावरणीय स्वास्थ्यः आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण' थीम के साथ मनाया गया था जबकि 2023 की थीम थी 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्यः हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया गया था और 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है। बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। ऐसी ही समस्याओं के मद्देनजर लोगों में पर्यावरणीय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हैल्थ' (आईएफईएच) द्वारा 26 सितम्बर 2011 को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुरूआत की गई थी। इसकी शुरूआत 2011 में डेनपास, बाली (इंडोनेशिया) में हुए पर्यावरण स्वास्थ्य शिखर सम्मलेन और आईएफईएच की बैठक के दौरान हुई थी और इस दिन को दुनियाभर में चिन्हित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों की भलाई और स्वास्थ्य की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करना था। आईएफईएच वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आदान-प्रदान पर केन्द्रित है और इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के लिए कार्य करता है। पूर्ण रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य कार्यों को लेकर समर्पित आईएफईएच पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा करता है और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर सूचना का आदान-प्रदान करता है। पर्यावरण सुरक्षा कार्यबल के समर्थन के साथ आईएफईएच स्वास्थ्य और हरित पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। यह उन राष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक महासंघ है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर कार्य करते हैं। 2018 में इस फेडरेशन ने 40 देशों को पूर्ण सदस्यों के तौर पर जगह दी थी। आईएफईएच के अध्यक्ष सुजान पैक्सो के अनुसार दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच एक गहन संबंध है। बहरहाल, यह समझना बहुत जरूरी है कि आखिर पर्यावरण स्वास्थ्य है क्या? किसी क्षेत्र विशेष के रासायनिक, भौतिक और सांस्कृतिक वातावरण को उसके पर्यावरणीय स्वास्थ्य के रूप में जाना जाता है और किसी क्षेत्र का पर्यावरणीय स्वास्थ्य वहां की वायु की खराब गुणवत्ता, पर्यावरण में विविधता का नुकसान, रासायनिक असमानताएं तथा ऐसे सभी कारक, जो किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बिगाड़ते हैं, से प्रभावित होता है। किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को मापने में पर्यावरणीय स्वास्थ्य संकेतक, प्रदूषण का स्तर, पारिस्थितिकी में विविधता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता की शर्तें, कृषि उत्पादकता इत्यादि प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर्यावरणीय स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व को दशार्ता विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस वास्तव में न केवल पारिस्थितिक स्वास्थ्य की सुरक्षा की वकालत करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय स्वास्थ्य के पड़ने वाले प्रभाव और संबंध को समझने की जरूरत पर भी जोर देता है।

मुद्दाः शोधार्थियों को प्रोत्साहन की कमी

गिरीश पांड़े

पिछले एक दशक में भारत की ऊर्जा यात्रा उल्लेखनीय परिवर्तन की साक्षी बनी है। तीव्र क्षमता वृद्धि, सौर और पवन ऊर्जा में वैश्विक नेतृत्व और नवोन्मेषी फ्लैगशिप कार्यक्रमों के साथ भारत स्वच्छ और आत्मनिर्भर ऊर्जा की ओर तेजी से अग्रसर है। भारत में स्वच्छ ऊर्जा न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम कर रही है, बल्कि हरित रोजगार भी पैदा कर रही है। ऊर्जा की पहुंच में सुधार हो रहा है, और वैश्विक जलवायु नेतृत्वकर्ता के रूप में भारत की भूमिका दिनोंदिन मजबूत हो रही है।

पिछले महीने गुजरात के हंसलपुर में एक कार्यक्रम के दौरान हरित गतिशीलता योजनाओं का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छ ऊर्जा और स्वच्छ गतिशीलता एक वैश्विक केंद्र के रूप में भारत के भविष्य को आकार देंगे। मार्च, 2014 से जून, 2025 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता लगभग तीन गुना बढ़ कर 226.8 गीगावॉट हो गई है। सौर ऊर्जा उत्पादन 1 लाख 8 हजार गीगावॉट प्रति घंटे से भी ज्यादा हो गया हैङ्क जिससे भारत जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक बन गया है।

जुलाई, 2025 की स्थिति के अनुसार देश में अब पचास प्रतिशत स्थापित बिजली क्षमता गैर-पारंपरिक ईंधन स्रोतों से चालित है, और भारत ने यह लक्ष्य निर्धारित समय से पांच वर्ष पूर्व ही हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि जहां पेरिस समझौते के अंतर्गत नेशनल डिटरमाइंड कांट्रिब्यूशन (एनडीसी) की प्रतिबद्धता के लिए निर्धारित लक्ष्य से पांच साल पहले ही प्राप्त कर ली गई वहीं देश जलवायु परिवर्तन की रोकथाम और टिकाऊ विकास के प्रति संकल्पित है, और स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की गति लगातार बढ़ रही है। इसमें सौर, पवन, पनबिजली, जैव एवं परमाणु ऊर्जा शामिल हैं। कुल 484.82 गीगावॉट स्थापित क्षमता में इन नवीकरणीय स्रोतों की हिस्सेदारी 242.78 गीगावॉट हो गई। यह किसी भी विकासशील देश के लिए बहुत दुर्लभ मामला है, जिसने अपने लिए निर्धारित लक्ष्य से पहले ही ऐसी सफलता प्राप्त की। आज गैर-जीवाश्म स्रोत कुल बिजली उत्पादन का 49प्र. हिस्सा दे रहे हैं। इसका श्रेय उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन-पीएलआई योजना-जैसे क्रांतिकारी प्रयासों को जाता है। यह कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन खत्म करने के वैश्विक प्रयासों के लिए देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाना इसलिए और अनिवार्य हो गया है कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में अकेले जीवाश्म ईंधनों की हिस्सेदारी करीब तीन-चौथाई है।

भारत की रणनीति भी बहुत व्यावहारिक है। वह जीवाश्म ईंधनों से एकाएक पीछा नहीं छुड़ा रहा और कोयला एवं गैस आधारित संयंत्र अभी भी प्रमुख ऊर्जा आपूर्तिकर्ता बने हुए हैं। चूंकि भारत ने 2030 तक गैर-जीवाश्म क्षमता को 500 गीगावॉट तक ले जाने और 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है, तो उसे ग्रिड आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारणङ्क क्लीन टेक मैटीरियल रिसाइक्लिंग और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे आधुनिक ईंधनों में निवेश बढ़ाना ही होगा।

प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन कम होने के बावजूद स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने में हुई यह प्रगति मूल्यवान है, और भारत जी-20 के उन चंद देशों में शामिल है, जो जलवायु परिवर्तन की रोकथाम के अपने संकल्प को पूरा करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। सोलर पार्क और विंड कारिडोर स्वच्छ ऊर्जा में निवेश को लुभाने में भी सहायक बने हैं। उल्लेखनीय है कि बीते दशक में सौर एवं पवन ऊर्जा की लागत 80 प्रतिशत से भी अधिक घट गई है। इसके चलते कई क्षेत्रों में सौर-पवन ऊर्जा की लागत कोयले और गैस से बनने वाली बिजली से भी किफायती हो गई है। नवीकरणीय ऊर्जा कीमतों में स्थायित्व प्रदान करने के साथ ही यह ऊर्जा स्वतंत्रता भी सुनिश्चित करती है। एक बार इंस्टाल होने के बाद उसमें लागत लगभग नगण्य रह जाती है। कॉप शिखर सम्मेलनों में विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों के प्रति की गई वचबद्धता भी पूरी

नहीं हो रही है, इस बाबत भारत कॉप शिखर सम्मेलनों में इस मुद्दे को बराबर उठाता रहा है। अमेरिका में अभी भी 60 प्रतिशत से अधिक बिजली जीवाश्म इृधनों से पैदा हो रही है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा उत्सर्जक है, जिसकी आधी से अधिक बिजली अभी भी कोयले से बनती है। इसलिए विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और सबसे बड़े कार्बन उत्सर्जक देश के तौर पर अमेरिका और चीन की जिम्मेदारी है कि अपने उत्सर्जन में तेजी से कमी लाएं, विकासशील देशों को वित्त और तकनीकी सहयोग दें, स्वच्छ ऊर्जा नवाचार साझा करें और प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठ कर वैश्विक सहयोग को बढ़ाएं। (लेख में विचार निजी हैं)

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा - शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जातिवाद पर प्रतिबंध योगी सरकार का ऐतिहासिक कदम

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम उठाया है। उन्होंने समाज में जाति आधारित विद्वेष को ही नहीं बल्कि विभेद को भी समाप्त करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए सद्भाव के साथ सबके विकास को बल देने का सूझबूझभरा फैसला लिया है। इस फैसले के अन्तर्गत उन्होंने जाति-आधारित रैलियों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और पुलिस रिकॉर्ड में जाति संबंधी उल्लेखों पर रोक लगा दी है। यह निर्णय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बाद लिया गया, लेकिन इसका वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक है। यह केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं बल्कि समाज को जातिगत बंधनों से मुक्त करने की दिशा में क्रांतिकारी प्रयास है। राजनीतिक दलों ने जाति आधारित वोटों को लुभाने एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने के लिये समाज को बांटा है। यह गौर करने की बात है कि जाति आधारित संगठनों और रैलियों की बाढ़ आ गई है, जिससे एक-एक जाति के अनेक संगठन बने और इन जातिगत संगठनों ने सड़कों पर उतर कर न केवल सार्वजनिक व्यवस्था, इंसान-इंसान के बीच दूरियां-विद्वेष बढ़ा दिया बल्कि राष्ट्रीय एकता को भी क्षत-विक्षत कर दिया।

भारतीय समाज में जातिवाद की जड़ें गहरी हैं। जाति व्यवस्था ने कभी सामाजिक पहचान और श्रम विभाजन का आधार बनकर काम किया, लेकिन समय के साथ यह भेदभाव, असमानता और सामाजिक विद्वेष का कारण बन गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था- 'जातिवाद समाज की आत्मा को खोखला करता है।' डॉ. भीमराव आंबेडकर ने तो इसे भारतीय प्रगति की सबसे बड़ी बाधा बताया था। दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी जातिवाद ने राजनीति और समाज दोनों में गहरी पैठ बनाई और देश की एकता को कमजोर करने का काम किया। जाति-आधारित राजनीति ने सत्ता के समीकरण तो बदले लेकिन समाज को बांटने का काम किया। चुनाव के समय उम्मीदवारों का चयन जातिगत समीकरणों के आधार पर होता रहा। समाज के बंटवारे का यह खेल लोकतंत्र के स्वस्थ आदर्शों के लिए चुनौती बना। जातिगत रैलियां और प्रदर्शन सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करते रहे। पुलिस रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख अपराधी को अपराधी नहीं बल्कि किसी जाति का प्रतिनिधि बना देता था, जिससे कानून-व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ता था। इन जटिल स्थितियों में योगी सरकार का यह निर्णय विषमताओं एवं विसंगतियों को समाप्त करने की दिशा में एक नया अध्याय है। यदि इसे सख्ती और ईमानदारी से लागू किया गया तो निश्चित ही समाज में सौहार्द, भाईचारा और समानता का वातावरण बनेगा। जाति-आधारित पहचान की जगह व्यक्ति की योग्यता, आचरण और योगदान

को महत्व मिलेगा।

किसी जाति के प्रति लगाव दशार्ने के लिए किसी अन्य जाति को नीचा दिखाने की भी गलत परंपरा पड़ती दिख रही है। जाति आधारित पोस्टर या प्रतीक न केवल गलियों में, मकानों पर बल्कि अपने वाहनों पर भी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में, परस्पर भेद, ऊंच-नीच की भावना बढ़ती जा रही है। ऐसे भेद को मिटाने की मांग उठती रही है। समाज के लिए चिंतित रहने वाले लोग यही चाहते हैं कि जातिगत झंडों और पोस्टरों पर एक हद तक लगाम लगनी चाहिए, लेकिन ऐसा साहस राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब तक किसी भी राजनेता ने नहीं दिखाया, लेकिन योगी सरकार ने यह साहस दिखाया है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। योगी सरकार द्वारा जारी 10 सूत्रीय दिशा-निर्देश में यह बात विशेष रूप से गौर करने लायक है कि अब जाति के नाम, नारे या स्टिकर वाले वाहनों का केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत चालान किया जाएगा। यहां तक कि प्रथम सूचना रिपोर्ट में भी जाति को दशार्ने से बचा जाएगा। अभी तक होता यह है कि अपराधी जाति के आधार पर अपनी पहचान बना लेते हैं और मजबूत हो जाते हैं।

यह बहुत अफसोस की बात है कि विशेष रूप से चुनाव के समय जाति आधारित बैनरों की बाढ़ आ जाती है। राजनीतिक दल एवं नेता जातिगत समीकरणों से समाज को बांटने में जुट जाते हैं। लेकिन अब यूपी सरकार की मंशा सराहनीय है और इन दिशा-निर्देशों को पूरी तरह से लागू करने की जरूरत है। वाकई समाज से अपराध को मिटाने के लिए अपराधी की जाति देखना गैर-वाजिब है। हां, यह सावधानीपूर्वक कुछ मामलों में जाति का उल्लेख करने की छूट दी गई है। जैसे, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामलों में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल होता रहेगा। वाकई, कुछ मामले ऐसे होते हैं, जहां जाति की चिंता या उल्लेख जरूरी हो जाता है। यह भूलना नहीं चाहिए कि जाति आधारित भेदभाव अभी भी कई जगहों पर देखने को मिल जाता है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर भेदभाव की शिकायतें अक्सर आती हैं, ऐसे में, प्रशासन को ज्यादा सजग रहना पड़ेगा। निर्देश जारी हो जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि जातिगत भेदभाव के बिंदुओं को खोज-खोजकर मिटाने की ईमानदार पहल भी जरूरी है। सामाजिक चिंतक विनोबा भावे कहा करते थे 'जाति का भेद मिटेगा तो समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना पनपेगी।' वास्तव में जातिवाद केवल सामाजिक समस्या नहीं बल्कि मानसिकता का रोग है। जब तक समाज इसे स्वीकार करता रहेगा, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं।

योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में एक आदर्श समाज व्यवस्था निर्मित करने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देते हैं। उन्होंने जातिवाद के विरुद्ध आवाज ही नहीं उठाई, अपने राजनीतिक जीवन के अनेक उदाहरणों से समाज को सक्रिय प्रशिक्षण भी दिया। वे समता के पोषक हैं, इसलिये उन्होंने पूरी शक्ति के साथ जाति के दंश, प्रथा एवं विसंगति पर प्रहार कर मानवीय एकता का स्वर प्रखर किया। उनके शासन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दी, जिससे राज्य में अपराध और अराजकता पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया। 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास' की नीति पर चलते हुए उन्होंने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लागू कीं। बुनियादी ढांचे के विकास, धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार, निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन में भी उनके प्रयास उल्लेखनीय हैं। उनकी सकारात्मक सोच का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज तेजी से विकासशील राज्यों में गिना जाने लगा है और जातिवाद, भ्रष्टाचार और असुरक्षा की छवि से बाहर निकलकर एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उनकी ताजा पहल समाज को बताती है कि नई पीढ़ी को जाति नहीं, योग्यता और नैतिकता के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। यह निर्णय राजनीतिक दलों के लिए भी चेतावनी है कि उन्हें जातिगत समीकरणों की राजनीति छोड़कर राष्ट्रहित और जनहित की राजनीति करनी होगी।

जाति, रंग, भाषा आदि के मद से सामाजिक एवं राजनीतिक विक्षोभ पैदा होता है, इसीलिये यह पाप की परम्परा को बढ़ाने वाला पाप है। इसके कारण राष्ट्रीयता को भूल कर जातिगत संकीर्णताओं को लोग आगे बढाते रहे हैं, एक जाति के लोग मजबूत होने के बाद वे अपनी जाति को लाभ पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। यह धारणा भी बढती. रही है कि सबको अपनी जाति की चिंता करनी चाहिए। यह भ्रांति भी फैल रही है कि अपनी जाति के लोग या अधिकारी या नेता ही अपनी जाति के समुदाय या लोगों की मुसीबत में साथ खड़े होते हैं। ऐसी तमाम सामाजिक व प्रशासनिक खामियों एवं विडम्बनाओं से उबरने की जरूरत योगी सरकार ने महसूस की है। अन्यायी के खिलाफ बिना जाति देखे खड़ा होना चाहिए। संविधान की भी मंशा यही है कि हर नागरिक को अपने समाज की ताकत बनकर आगे बढ़ना चाहिए और ध्यान रहे, यह समाज मात्र एक जाति आधारित न रहे। हर जाति महत्वपूर्ण है और सबका विकास हो, पर जाति आधारित लगाव या राजनीति का दिखावा खत्म होना चाहिए। योगी आदित्यनाथ सरकार का यह कदम भारतीय समाज को जातिवाद की जंजीरों से मुक्त कराने का बड़ा अवसर है। यह केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकता है। अब आवश्यकता है कि अन्य राज्य भी इसे अपनाएं और भारत को सच्चे अर्थों में समानता, न्याय और बंधुत्व की धरती बनाएं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

छात्र-छात्राओ ने स्वास्थ्य जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक के द्वारा स्वस्थ भारत-आयुष्मान भारत का दिया संदेश

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2025 पर श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय एवं वी0जी0आई0 के संयुक्त तत्वांधान में थिंक हेल्थ-थिंक फार्मासिस्ट विषय पर राष्ट्रीय संगौष्ठी, पोस्टर मॉडल प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक व स्वास्थय जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। वेंक्टेश्वरा समूह के संस्थापक/अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि प्रधानमंत्री की स्वस्थ भारत-आयुष्मान भारत जैसी शानदार योजनाओ को अन्तयोदय तक पहुंचाने में फार्मासिस्ट सबसे ऊपर है। प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि पूरे विश्व में स्वास्थय सेवाओ के ग्लोबल विस्तार एवं चिकित्सा/स्वास्थय गुणवत्ता में फार्मासिस्ट का योगदान बेहद अहम है। वरिष्ठ वैश्विक जेनेटिक साईन्स प्रो0 एस0आर0 मालू ने कहा कि सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार के प्रोटोकॉल में योग्य एवं प्रशिक्षित फार्मसिस्ट की भूमिका चिकित्सक से कमतर नहीं है। मुख्य अतिथि/वक्ता औषधि निरीक्षक रूचि बंसल ने कहा कि चिकित्सा एवं जनस्वास्थय जैसी बुनियादी जरूरत से जुड़ी होने के कारण फार्मा इंडस्ट्री विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था, इसमें सम्मानित रोजगार के ढेरो अवसर है। संस्थान के छात्र-छात्राओ ने प्रभावी चिकित्सा एवं स्वास्थय सेवाओ में फार्मा प्रोफेशनल्स की महत्ता बताते हुए परिसर में स्वास्थय जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक के द्वारा स्वस्थ भारत-आयुष्मान भारत का संदेश दिया। इसके साथ ही संस्थान के छात्र-छात्राओ ने नुक्कड़ नाटक द्वारा जनस्वास्थ में फार्मासिस्ट के महत्व को समझाया। आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय एवं वी0जी0आई0 मेरठ के संयुक्त तत्वांधान में विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2025 पर इस वर्ष की थीम थिंक हेल्थ-थिंक फार्मासिस्ट विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगौष्ठी का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें मेरठ, मुरादाबाद, दिल्ली, गुरूग्राम समेत देश के अलग-अलग हिस्सो एवं विभिन्न फार्मा इंडस्ट्री से आये एक दर्जन से अधिक एक्सपर्ट ने उपस्थित फार्मा स्टूडेन्टस एवं शिक्षको को फार्मासिस्ट की महत्ता बताते हुए फार्मा इंडस्ट्री में ढेरो सम्मानित रोजगार सम्भावनाओ के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर संस्थान के फार्मा स्टूडेन्टस ने पोस्टर एवं मॉडल प्रदर्शनी एवं नुक्कड़ नाटक व परिसर में जागरूकता रैली निकालकर प्रभावी स्वास्थय सेवाओ में फार्मासिस्ट के महत्व को समझाया। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय /संस्थान के डॉ0 सी0वी0 रमन सभागार में विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2025 पर थिंक हेल्थ-थिंक फार्मासिस्ट विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगौष्ठी एवं पोस्टर/मॉडल प्रदर्शनी व नुक्कड़ नाटक का शुभारम्भ राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 एस0आर0 मालू, मोनार्क साईन्टिफिक के हेड निशान्त सिंह, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, गलेक्सो इण्डिया के सीमान्त सक्सेना, औषधि निरीक्षक रूचि बंसल, चीफ फार्मासिस्ट प्रदीप कमार दास, कुलपति डॉ0 कृष्ण कान्त दवे, डीन फामेसी डॉ0 ओमप्रकाश गोसाई, डॉ0 अश्विन सक्सेना, डॉ0 दर्पण कौशिक आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि/वक्ता औषधि निरीक्षक रूचि बंसल ने कहा कि प्रभावी चिकित्सा एवं स्वास्थय सेवाओ में फामेसी का बेहद अहम रोल है। पूरे विश्व में प्रत्यश रूप से 50 लाख से अधिक एवं अप्रत्यश रूप से 6 करोड़ से अधिक लोग फार्मा इंडस्ट्री से जुडे है। इसीलिए फार्मा सेक्टर में जहां सरकारी, अर्द्धसरकारी एवं निजी संस्थानो में लाखो सम्मानित रोजगार के अवसर है, वही दूसरी ओर इसमें स्वरोजगार की भी ढ़ेरो सम्भावनाऐ निहित है। प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि बात चाहे आम स्वास्थय सेवाओ की हो या कोविड जैसी वैश्विक महामारी की फार्मासिस्ट ने उपचार, देखभाल से लेकर ग्लोबल वैक्सीनेशन तक डॉक्टर्स के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर इस महामारी को हराने का काम किया। एकदिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार को कुलपति प्रो0 कृष्ण कान्त दवे, कुलसचिव डॉ0 पीयूष कुमार पाण्डेय, डॉ0 राजेश सिंह आदि ने भी सम्बोधित किया। डीन फामेसी ओमप्रकाश ने सभी छात्र-छात्राओ को स्वास्थ सेवा की शपथ दिलायी। इस अवसर पर जिला हॉस्पिटल के चीफ फार्मासिस्ट प्रदीप कुमार दास, प्रो0 अंजलि भारद्वाज, डॉ0 धीरज दुबे, डॉ0 आदित्य शर्मा, मंजू रानी, पंकज गिल, रवि सैनी, रेनू, गुरूजीत सिंह, डॉ0 अश्विन सक्सेना, डॉ0 शिल्पी शर्मा, डॉ0 अमित कुमार, डॉ0 फुरकान, अभिषेक सुमन, मेरठ परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

ढवारसी में ताड़का वध की लीला का मंचन

हसनपुर/अमरोह (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के गांव ढवारसी में चल रही रामलीला में बुधवार की रात ताड़का वध की लीला का मंचन किया गया। मंच पर जब राक्षसी ताड़का का प्रवेश हुआ तो दर्शकों में रोमांच भर गया। विशाल शरीर, भयंकर रूप और जोरदार गर्जना करती ताड़का को देखकर बच्चे और महिलाएं भयभीत हो उठे। गुरु विश्वामित्र श्रीराम और लक्ष्मण को लेकर उस वन में प्रवेश करते हैं जहां ताड़का का आतंक फैला हुआ था। ताड़का अपने बल और मायावी शक्ति से ऋषियों का यज्ञ नष्ट कर देती है। ऋषियों की पुकार सुनकर श्रीराम धनुष उठाते हैं। ताड़का और श्रीराम के बीच युद्ध को देखकर दर्शकों ने तालियां बजाईं। श्रीराम ने अपने बाणों से ताड़का का वध कर धर्म की रक्षा की। ताड़का के धराशायी होते ही पूरे मैदान में जय श्रीराम के जयकारे गूंज उठे। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अंकुर त्यागी, प्रबंधक राजेश शर्मा, संरक्षक निशापति शर्मा, अजय गोयल, नवीन चतुर्वेदी, नरेश ठाकुर, हरीश त्यागी, अमरीश त्यागी, अक्की त्यागी, मनोज शर्मा, जितेंद्र शुक्ला, प्रमोद सागर, गुड्डू सैनी, राजू त्यागी आदि मौजूद रहे।

राज्यमंत्री ने निमार्णाधीन पुलिस लाईन में आवासीय व अनावासीय भवनों का किया स्थलीय निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- राज्यमंत्री, वन पर्यावरण जन्तु उद्यान एंव जलवायु परिवर्तन विभाग उ०प्र० शासन के०पी० मलिक द्वारा द्वारा निमार्णाधीन पुलिस लाईन में आवासीय व अनावासीय भवनों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। प्रभारी मंत्री द्वारा निर्देशित किया गया कि परिसर में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करायें, जिससे परिसर हरा-भरा और सुंदर रहे, जो पूरे प्रदेश के लिए अनुकरणीय होगा। इस अवसर पर मंत्री द्वारा वृक्षारोपण किया गया। उन्होंने मॉडल के माध्यम से बनने वाले सभी स्थानों की बारीकी से जानकारी ली और उपयोग पर पुलिस अधीक्षक के साथ गहन चर्चा की। अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड (भवन), लो०नि०वि०, मुरादाबाद द्वारा अवगत कराया गया कि अमरोहा पुलिस लाइन 47 एकड़ क्षेत्रफल में बनाया जा रहा है, जिसकी निर्माण लागत रू० 202.89 करोड़ है, जिसमें आवासीय एवं अनावासीय भवनों का निर्माण किया जा रहा है। कार्य की भौतिक प्रगति 98 प्रतिशत है। इसमें 400 केएलडी क्षमता का अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लाण्ट का प्राविधान है जिसके ट्रीटेड पानी का उपयोग परिसर की सिंचाई एवं भवनों में फ्लसिंग के लिए होगा। परिसर में जलापूर्ति एवं अग्नि सुरक्षा हेतु 540 ड्डछऊका अण्डर ग्राउण्ड टैंक तथा 90 ड्डछऊका ओवर हेड टैंक का प्राविधान है। बरसात के पानी द्वारा ग्राउण्ड रिचार्ज हेतु 21 रेन वाटर हार्वेटिंग पिट का प्राविधान किया गया है जिससे भवनों की छतों एवं परिसर का पान ग्राउण्ड वाटर रिचार्ज होगा। मंत्री के संज्ञान में लाया गया कि वर्षा के अतिरिक्त पानी की निकासी हेतु परिसर के बाहर नाली निर्माण आवश्यक है, जिसका आउटफाल जोया नाले में हो इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी , पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, जिलाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा शुभम चौधरी, कार्यदाई संस्था के अधिकारी एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अपराध:- कूड़े के ढेर में बोरे में बंद मिला नवजात का शव

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- नगर क्षेत्र में ट्रांसफार्मर के करीब पड़े कूड़े के देर के अंदर नवजात शिशु का शव मिला। सुचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। नगर पालिका क्षेत्र के मोहल्ला काला शहिद पुठ रोड अड्डे पर सुबह जब सफाई कर्मी कबाड़ा एकत्रित करने के लिए पहुंचे तो वहां कूड़े के ढेर में उन्हें एक बोरी मिली जिसे देखकर सफाई कर्मचारी को शक होने लगा। जब सफाई कर्मचारी के द्वारा बोरी को खोला गया तो उसका शक हकीकत में बदल गया। बोरे के अंदर से नवजात शिशु का शव मिला। जैसे ही शव मिलने की जानकारी आस पड़ोस के लोगों को पहुंची तो मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। वहीं पुलिस भी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच गई और शव कब्जे में ले लिया। कोतवाल प्रेमपाल सिंह ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल जा रहा है जिससे आरोपी की पहचान करने में मदद मिलेगी।

बाल सेवा योजना के लाभार्थियों को वितरित किए गए लैपटॉप

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में शरदीय नवरात्रि के पर्व पर महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वालंबन हेतु महिला कल्याण विभाग द्वारा मिशन शक्ति 5.0 अभियान एवं सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड)" के लाभार्थी बच्चों को प्रमाण पत्र एवं लैपटॉप वितरण किए गए।यह योजना उन बच्चों के लिए है जिनके माता-पिता या दोनों की मृत्यु कोविड-19 से हुई थी। इसके अतिरिक्त महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं जैसे कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना, निराश्रित विधवा पेंशन योजना ,सखी वन स्टॉप सेंटर आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने जोया में जी.एस.टी. बचत उत्सव अभियान के तहत पैदल चलकर व्यापारियों से की मुलाकात

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में राज्यमंत्री, वन पर्यावरण जन्तु उद्यान एंव जलवायु परिवर्तन विभाग उ०प्र० शासन एवं जनपद प्रभारी मंत्री के०पी० मलिक द्वारा जीएसटी की कम हुई दर को लेकर जोया अमरोहा चौराहे से जोया-मुरादाबाद सर्विस रोड पर छोटे-बडे व्यापारियों / दुकानदारों से जीएसटी के लाभ के संबंध में वार्ता करते हुए नगर के मुख्य बाजार से होते हुए मलिन बस्ती मौ० जामा मस्जिद वार्ड नं0-12 की ओर पैदल प्रस्थान किया। पैदल मार्च करते हुए भी रास्ते में छोटे-बडे व्यापारियों / दुकानदारों से जीएसटी के लाभ के संबंध में पूछताछ की गयी। उन्होंने मार्ग पर स्थित कई दुकानों में जाकर व्यापारियों और ग्राहकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जीएसटी की घटी दरों को लेकर उनसे संवाद किया। व्यापारियों और ग्राहकों से संपर्क और संवाद के क्रम में मंत्री ने दुकानदारों से कहा कि जीएसटी दरों में कमी को लेकर ग्राहकों को आप लोग खुद भी जागरूक करिए। इससे ग्राहक को फायदा होगा ही, आपका भी बाजार समृद्ध होगा। साथ ही दुकानों पर ह्यघटी जीएसटी मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार के स्टीकर भी लगाएं और व्यापारियों को गुलाब का फूल दिया। तत्पश्चात मंत्री मलिन बस्ती मौ० जामा मस्जिद वार्ड नं0-12 में पहुँचे जहाँ जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) द्वारा निर्मितः प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों नदीम पुत्र खुर्शीद, शाईस्ता पत्नी अफसर, परवीन पत्नी गौहर व अनवार पुत्र इसरार से योजना के लाभ के संबंध में गहनता से पूछताछ की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र , डिप्टी कलैक्टर / परियोजना अधिकारी बृजपाल सिंह, उप जिलाधिकारी चन्द्रकान्ता , चैयरमैन जुबैर अहमद, शुभम चौधरी, अधिशासी अधिकारी विपिन कुमार सिंह सेंगर सहित संबंधित अधिकारी एवं भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद के समस्त परिषदीय विद्यालयों में श्रमदान एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के दिए गए निदेर्शों के क्रम में जनपद के समस्त परिषदीय विद्यालयों में आज श्रमदान एवं स्वच्छता का कार्यक्रम चलाया गया। इस संबंध में पूर्व में निर्देश दिया गया था कि समस्त विद्यालयों में प्रातः 8:00 से 9:00 तक विभाग के समस्त शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं के द्वारा समस्त विद्यालयों में स्वच्छता का कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। स्वच्छता के कार्यक्रम आयोजित किया जाने का उद्देश्य विद्यालय में छात्र-छात्राओं को साफ सफाई की महत्ता, छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य ,संचारी रोग से रोकथाम , विद्यालय परिसर को आकर्षक बनाना आदि रहे। यह कार्यक्रम जनपद के समस्त परिषदीय विद्यालयों में, ब्लॉक संसाधन केदो में, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में भी आयोजित किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ मोनिका ने प्राथमिक विद्यालय रायपुर खुर्द विकासखंड जोया में प्रातः 8:00 से 9:00 के बीच में श्रमदान एवं साफ सफाई का कार्यक्रम जिला समन्वयक प्रशांत कुमार,सत्यवीर सिंह , प्रधानाध्यापक जरीन फातिमा, सहायक अध्यापिका विनीता गुप्ता, प्रोफेसर डॉ दीपक अग्रवाल एवं स्टाफ के साथ आयोजित किया । जिसमें विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं ने भी उत्साह के साथ प्रतिभाग किया । विकासखंड के समस्त विद्यालयों में खंड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में साफ सफाई का कार्यक्रम कराया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ मोनिका ने बच्चों को विद्यालय एक परिसर में साफ सफाई रखते हो तो प्रेरित किया एवं जो कक्षा सबसे साफ सुथरा मिलेगा , उसे कक्षा के समस्त बच्चों को पुरस्कार भी देने की घोषणा की ।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत ब्लॉक परिसर में की गई साफ सफाई

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश भर में 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है जिसमें बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, स्कूल-कालेज, रामलीला स्थल और सार्वजनिक जगहों पर विशेष तौर पर साफ सफाई की जाएगी। इसी क्रम में जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी के ब्लॉक परिसर रहरा में खंड विकास अधिकारी अश्वनी कुमार ने स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत ब्लॉक परिसर में झाड़ू लगाकर आम जनता से साफ सफाई रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही सेवा है आज हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सार्वजनिक स्थलों पर झाड़ू से साफ सफाई करके आम जनता को साफ सफाई के प्रति जागरूक कर रहे हैं उन्होंने कहा कि हमें साफ सफाई के प्रति सजग रहना चाहिए और अपने आसपास व सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हर एक व्यक्ति साफ सफाई को अपनी जिम्मेदारी समझे तो कहीं भी हमें गंदगी नहीं दिखाई देगी वह कहते हैं कि गंदगी से अनेकों बीमारियां पैर पसारती हैं। यदि हम सभी साफ सफाई पर ध्यान दें तो बीमारियों से भी छुटकारा मिलेगा। वह कहते हैं की मैं हमेशा अपने ब्लॉक परिसर में व अपने घर के आसपास भी गंदगी जमा नहीं होने देता। अगर मुझे लगता है की वहां पर गंदगी हो रही है और कोई साफ सफाई करने वाला नहीं है तो मैं स्वयं ही अपने आसपास की साफ सफाई कर देता हूं। इस दौरान स्वच्छता पखवाड़ा अभियान में एडीओ आईएसबी राजकुमार, एडीओ पंचायत नितिन जैन, नलकूप विभाग जेई ओमवीर सिंह, अकाउंटेंट संजय वर्मा, वरिष्ठ सहायक सचिन कुमार, वरिष्ठ सहायक अरुण कुमार, विजय, पंकज, संदीप, कंप्यूटर ऑपरेटर मनरेगा अरविंद आदि लोग मौजूद रहे।

पिता का होना किसी छत से कम नहीं:- राशिद मलिक

पिताजी के न होने से भविष्य अंधकारमय :- राशिद मलिक

ढवारसी/अमरोहा(सब का सपना):- जीव का जीवन ही माता और पिता के माध्यम से प्रारंभ होता है। बिना मां-बाप के किसी भी योनि में जीव की परिकल्पना नहीं है। ऐसे में जन्मदाता मां-बाप उनके लिए प्रथम गुरु या भगवान ही होते है। उनकी छत्रछाया में पल-बढ़कर वे अपना भविष्य सुंदर व सुखमय बनाते है। लेकिन बर्तमान समय में बढ़ती भौतिकवादी प्रवृति ने ऐसे-ऐसे पवित्र रिश्तों को भी तार-तार करने का काम किया है। आजकल तो सिर्फ स्वार्थ तक ही कोई बच्चे अपने मां-बाप से नाता बनाए रखते है। इससे पारवारिक व सामाजिक परिस्थिति में बदलाव आया है। मनुष्य के जीवन में पिता का काफी महत्वपूर्ण स्थान होता है। पिता की ही उंगुली पकड़कर कोई भी इंसान चलना सिखता है। बचपन में पिता बच्चों के लिए गुरु होते है जो जवानी में एक दोस्त। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही कोई सफल हो सकता है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला मंत्री अमरोहा राशिद मलिक कहते हैं कि मेरे पिता का इंतकाल होना मेरे लिए अपूर्णीय छती है। वह बताते हैं कि उनके पिता एक नेक दिल इंसान सामाजिक एकता के प्रतीक और गरीब मजलूमों की मजबूत आवाज थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज की सेवा में लगा दिया। वह इंसानियत की मिसाल थे, वह कहते हैं कि मेरे पिता के द्वारा हमेशा मुझे सच्चाई के रास्ते पर चलने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा कि कभी भी किसी गरीब, मजलूम का दिल मत दुखाना। वह कहते थे कि हमेशा हर किसी की मदद करना। आज में अपने पिताजी के बताए हुए रास्ते पर चल रहा हूं। राशिद मलिक कहते हैं कि जब मैं 2 वर्ष का था तो मेरे पिताजी (बालिद साहब) अपनी मोटरसाइकिल पर मुझे साथ लेकर जाते थे और जैसे-जैसे मैं बड़ा हुआ पिताजी ने मुझे हमेशा अच्छाई और सच्चाई के रास्ते पर चलने के लिए कहा। मेरे पिताजी का जन्म एक साधारण किसान परिवार में जन्म हुआ था लेकिन अपनी मेहनत व कड़े प्रयासों से उन्होंने एक बड़ा बिजनेस खड़ा किया जिसे आज हम संभाल रहे हैं। मुझे राजनीतिक जीवन में उतारने का काम भी मेरे पिताजी ने किया था और वह 24 घंटे मुझे अपने साथ रखा करते थे। कहते थे कि मेरे बाद तुझे ही परिवार की जिम्मेदारी और समाज की जिम्मेदारी को संभालना है हालांकि अब पिताजी नहीं है तो पिताजी के न होने से मेरे राजनीतिक कैरियर पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। वह कहते थे कि जब तक आप समाज के लोगों की सेवा करते रहेंगे तब तक आप निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे और जब आप समाज के लोगों की सेवा करना बंद कर देंगे तो आप भी पीछे हटना शुरू हो जाएंगे। वैसे तो जन्म से ही माता-पिता गुरु होते हैं लेकिन राजनीतिक और बिजनेस ज्ञान को लेकर भी मेरे पिताजी मेरे गुरु हैं। अब मुझे उनके न होने से देखकर लगता है कि मेरे आगे का जीवन अंधकारमय है।

एक दिवसीय शिक्षक-प्रशिक्षण का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- विकासखंड असमोली के सभागार में नेकपुर, एंचौड़ा कंबोह, भटपुरा न्यायपंचायतवार एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ प्रशिक्षण में न्यायपंचायत के समस्त गुरुजनों एवं दीदीजनों को एक दिवसीय शिक्षक-प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया के संरक्षण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित प्रशिक्षण जनपद के सभी विकासखंडों में गतिमान है। प्रशिक्षण 8 सितंबर से 30 सितंबर तक जनपद संभल की आठों विकासखंड की 65 न्यायपंचायत में न्याय पंचायत बार आयोजन किया जा रहा है। अब तक बहजोई, बनियाखेड़ा, जुनावाई, गुन्नौर , पंवासा, रजपुरा, सम्भल असमोली विकास खण्ड की 57 न्यायपंचतों में प्रशिक्षण हो चुका है। डीपीएमयू जिला समन्वयक का कार्य देख रहे विपुल राठौर द्वारा प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण के लिए गुणात्मक शिक्षा युगनिमार्ता के रूप में गुरुजी एवं दीदी को आदर्श शिक्षक के रूप में स्थापित करना तथा विकास का आधार ग्राम सचिवालय ग्राम कुल को सक्रिय करना है। प्रशिक्षण का प्रेरणास्रोत पुनरुत्थान विद्यापीठ, अहमदाबाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 तथा गिजूभाई का ग्रंथ दिवास्वप्न है प्रशिक्षण का उद्देश्य गुणात्मक शिक्षा हेतु जनपद संभल में क ख ग घ मिशन को पूर्ण रूप से लागू करना, शिक्षकों में गुरुत्व की भावना जागृत करना तथा प्रधान की अध्यक्षता और प्रधानाध्यापक की सह अध्यक्षता में ग्रामकुल की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण चार सत्रों में संपन्न हुआ था पहले सत्र में सभी शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर गुणात्मक शिक्षा प्रदान किए जाने तथा स्वयं में गुरुत्व की भावना जागृत करने एवं विद्यार्थियों को विश्व स्तर का तैयार करने तथा स्वयं स्वाध्याय करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया दूसरे सत्र में प्रश्न सत्र तथा तीसरे सत्र में फीडबैक एवं अंत में शपथ ग्रहण कराते हुए प्रशिक्षण संपन्न हुआ प्रशिक्षण में खंड शिक्षा अधिकारी अंशुल कुमार द्वारा कहा गया कि प्रत्येक शिक्षक को विद्यार्थियों के जीवन परिवर्तन करने के लिए शिक्षा देनी चाहिए न कि केवल अगली कक्षा में आने के लिए , प्रशिक्षण में डीपीएमयू के जिला समन्वयक डॉ एस एन शर्मा द्वारा कहा गया कि प्रत्येक शिक्षक को अपने अंदर गुरुत्व की भावना जगानी चाहिए तथा पुनरुत्थान विद्यापीठ अहमदाबाद के सिद्धांतों, सूत्रों तथा दर्शन का अनुकरण करते हुए जिला समन्वयको द्वारा सभी गुरुजनों को यह शपथ दिलायी गई कि आज से हम एक दूसरे को गुरुजी और दीदी कहेंगे, विद्यार्थी तथा राष्ट्र के शिक्षक बनेंगे, अपने विद्यालय में क ख ग घ मिशन पूर्ण रूप से लागू करेंगे, पांचों ग्रंथों का स्वाध्याय करेंगे, समाज तथा विद्यार्थी के लिए आदर्श शिक्षक बनेंगे, ग्राम सचिवालय ग्रामकुल को सक्रिय करेंगे एवं मेरे लिए विद्यार्थी एवं राष्ट्र सर्वप्रथम रहेगा।

मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की बालिकाओं ने किया बैंक भ्रमण

अमरोहा (सब का सपना):- महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलंबन हेतु संचालित मिशनशक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद अमरोहा में संचालित 08 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अपने-अपने क्षेत्र के बैंकों में भ्रमण किया गया तथा बैंकों में खाता संचालन प्रकिया सम्बन्धित बैंक कर्मचारी से जानकारी की गयी। खाता संचालन प्रकिया में खाता खोलने के लिये क्या-क्या अभिलेख चाहिये एवं खाता खोलने के उपरान्त कैसे बैंक खाते से धनराशि की निकासी एवं जमा करने की प्रकिया को जाना। बैंक में ए०टी०एम० का प्रयोग कैसे किया जाता है। इसके अतिरिक्त बैंक के द्वारा क्या-क्या सरकारी सुविधाएं दी जाती है।

राज्यमंत्री केपी मलिक ने किया स्वच्छता ही सेवा के अन्तर्गत श्रमदान

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयन्ती के अवसर पर के०पी० मलिक राज्यमंत्री वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वच्छता ही सेवा-2025 के अन्तर्गत 'एक दिन एक साथ एक समय राष्ट्रव्यापी स्वच्छता श्रमदान गतिविधि के आयोजन के दौरान जनपद के विकास खण्ड जोया की ग्राम पंचायत ढकिया चमन में ग्रामवासियों तथा जनपद के अधिकारियों के साथ सफाई अभियान तथा प्लास्टिक एकत्रीकरण करते हुये सामुहिक श्रमदान किया गया। श्रमदान के दौरान मंत्री द्वारा ग्रामवासियों से आहवान किया गया कि समस्त ग्रामवासी अपने घर, अपने घर के आस-पास परिवेश, अपने ग्राम की गलियों रास्तों की सफाई करें ताकि उनका ग्राम और भी स्वच्छ एवं साफ सुथरा दिखाई दे। उनके द्वारा बताया गया कि 'एक दिन एक साथ एक समय राष्ट्रव्यापी स्वच्छता श्रमदान का तात्पर्य है कि देशभर में एक ही दिन तय समय पर सभी लोग मिलकर स्वच्छता कार्य करें जिससे स्वच्छता केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी न होकर सामुहिक संकल्प बने और प्रधानमंत्री जी भारत सरकार के द्वारा भारतवर्ष को स्वच्छ बनाये जाने की दिशा में जो पहल प्रारम्भ की गई है वह वास्तविक रूप से साकार हो सके तथा देश का प्रत्येक ग्राम में दृश्यमान स्वच्छता दिखाई दें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा ग्राम वासियों को प्रेरित किया गया कि वह इस विशेष पहल के तहत सभी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों को जोड़कर वह अपने ग्राम में कम से कम एक घण्टा अपने ग्राम के सार्वजनिक स्थलों, गलियों, नालियों की सफाई किया करें क्योंकि ग्राम को साफ एवं स्वच्छ रखने के लिये सभी ग्रामवासियों का सामुहिक प्रयास आवश्यक है।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन एवं बीएमबीएल जैन कॉलेज ऑफ फामेर्सी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी सम्भल डॉ. तरुण पाठक एवं एसीएमओ डॉ. विश्वास अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. तरुण पाठक ने कहा कि फार्मासिस्ट केवल दवा विक्रेता नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। रोगी को सही दवा, सही समय और सही परामर्श देना ही एक फार्मासिस्ट का परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि समाज में जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने में फार्मासिस्टों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। एसीएमओ डॉ. विश्वास अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में जब चिकित्सा पद्धतियों और दवाओं में निरंतर बदलाव हो रहा है, तब फार्मासिस्टों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे नैतिकता और ईमानदारी को सर्वोपरि रखते हुए फामेर्सी को सेवा का माध्यम बनाएं। बीएमबीएल जैन कॉलेज ऑफ फामेर्सी के निदेशक सम्भव जैन ने कहा कि फामेर्सी केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का मार्ग है। कॉलेज सदैव इस दिशा में कार्य करता रहेगा कि विद्यार्थी केवल डिग्रीधारी न बनें बल्कि समाज के सच्चे स्वास्थ्य प्रहरी बनें। इसके अलावा सेवानिवृत्त चीफ फार्मेसिस्ट जे.पी. सिंह, महेश गौतम, संजीव राठौर, जिला मंत्री जयकिशोर, मनु तेवतिया आदि ने भी अपने विचार रखे और फार्मासिस्टों की सामाजिक जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें फामेर्सी छात्रों एवं फार्मासिस्टों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सतीश तिवारी, हिमेश नाथ, नीरज कुमार, महेश चंद्र, पारस रस्तोगी, के.के. हटवाल, अखिलेश कुमार, कुश नंदन, सौरभ सक्सेना, डॉ मनोज कुमार,अक्षय सिंह,अंकित कुमार,अमित कुमार समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सम्राट हॉस्पिटल द्वारा चौथा स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प किया गया आटा में आयोजित

बहजोई/संभल (सब का सपना):- पी.एम.श्री कंपोजिट विद्यालय आटा में डॉ. शेखर वार्ष्णेय (MBBS, MS) सम्राट हॉस्पिटल द्वारा चौथा स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प आयोजित किया गया । विद्यालय में उपस्थित सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा बदलते मौसम से होने वाले रोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों को इन बीमारियों से बचने के बारे में बताया गया एवं उन सबकी जांच की गई जैसे बुखार, जुखाम, पेट दर्द आदि आज कैंप मे ज्यादातार बच्चे बुखार एवं सर्दी से ग्रसित पाए गए बच्चों को इन रोगों से सम्बंधित, दवाईया भी निशुल्क दी गई । कैंप काफी अच्छा रहा । बच्चों ने सुविख्यात समाजसेवी डॉक्टर शेखर जी को देखते ही तालियां बजानी शुरू कर दीं व उनका उत्साह से स्वागत किया गया गणेश चौथ में लगे विभिन्न प्रकार के झूलों के लिए डॉक्टर शेखर जी द्वारा बच्चों को फ्री पास उपलब्ध कराए गए थे । कैम्प के अन्तर्गत समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत छात्रा नमरा नाज बनीं एक दिन की पुलिस कप्तान

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-05) के अंतर्गत आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बहजोई में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जी.के. सिल्वर स्टोन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चन्दौसी की कक्षा 11 की छात्रा कुमारी नमरा नाज को एक दिन का पुलिस कप्तानह्न बनाया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल, कृष्ण कुमार की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान नमरा नाज को पुलिस अधीक्षक के दायित्वों से अवगत कराया गया। उन्होंने जनसुनवाई में हिस्सा लिया और जनता की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके बाद नमरा ने पुलिस अधीक्षक के साथ पुलिस कार्यालय, बहजोई का भ्रमण किया। इस दौरान उन्हें कार्यालय की विभिन्न शाखाओं जैसे प्रधान लिपिक, आईजीआरएस, वाचक कार्यालय, आंकिक शाखा, रिट सेल, मॉनिटरिंग सेल, डिस्पैच, डीसीआरबी आदि के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। नमरा नाज ने इस अनुभव को साझा करते हुए कहा कि एक दिन के लिए पुलिस कप्तान बनना उनके लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण था। उन्होंने पुलिस अधीक्षक के दायित्वों को समझा और इस अनुभव से भविष्य में समाज सेवा के लिए प्रेरित हुईं। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य बालिकाओं को सशक्त बनाना और उन्हें समाज में अपनी भूमिका के प्रति जागरूक करना है। इस तरह के आयोजन बालिकाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।यह कार्यक्रम मिशन शक्ति के तहत बालिकाओं को प्रोत्साहित करने और समाज में उनकी भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गांव में सफाई व्यवस्था ध्वस्त: जलभराव और कीचड़ से ग्रामीण परेशान

बीमारियों का खतरा बढ़ा ग्राम प्रधान पर विकास न कराने के आरोप

बहजोई/संभल(सब का सपना):- विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। जगह-जगह जलभराव, कीचड़ और गंदगी के कारण ग्रामीण बेहद परेशान हैं। खतरनाक बीमारियों का साया मंडरा रहा है, लेकिन संबंधित अधिकारी इस मामले में पूरी तरह बेखबर बने हुए हैं। ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। पूरा मामला जनपद संभल के विकास खंड बहजोई के गांव अर्जुनपुर जूना का है जहां ग्रामीणों के अनुसार नवरात्रि के पावन पर्व पर मंदिरों में दर्शन के लिए जाने वाले भक्तों को कीचड़ भरी सड़कों से गुजरने को मजबूर होना पड़ रहा है। गंदगी के कारण मच्छरों और संक्रमण का खतरा बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां फैलने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के बाद से ही नालियां अवरुद्ध हो गई हैं, लेकिन सफाई का कोई कार्य नहीं हो रहा। स्थानीय निवासी नरेंद्र (पुत्र रामरहीस) ने बताया, कई बार ग्राम प्रधान से शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। गंदगी के कारण बच्चे-बूढ़े बीमार पड़ रहे हैं। वहीं, दूसरे ग्रामीण नरेश पाल (पुत्र मदन लाल) ने सफाई व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा, "यह हालत देखकर लगता है कि ग्रामीणों की कोई परवाह ही नहीं। नालियां साफ न होने से पूरा गांव कीचड़ में डूबा हुआ है कोई सफाई कर्मचारी कभी यहां सफाई करने नहीं आता है। इस मामले में जब संवाददाता ने मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) से संपर्क करने का प्रयास किया, तो उनका फोन रिसीव नहीं हुआ। उसके बाद ग्राम सचिव आकाश से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका मोबाइल स्विच ऑफ आया।

स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार में रजिस्ट्रेशन न करने पर 135 प्रधानाध्यापकों को नोटिस

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में परिषदीय विद्यालयों को स्वच्छ भारत विद्यालय पुरस्कार में रजिस्ट्रेशन करने हेतु निर्देशित किया गया था इस संबंध में विभाग द्वारा कई बार खंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया ,लेकिन पोर्टल पर समीक्षा के उपरांत पाया गया अद्यतन 135 प्रधानाध्यापकों के द्वारा अभी भी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है जो उनकी विभाग द्वारा दिए गए कार्यों के प्रति उदासीनता एवं लापरवाही को दशार्ता है आज जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा खंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से उन विद्यालयों के नाम लिए गए एवं पोर्टल से मिलान के बाद उन 135 प्रधानाध्यापक के विरुद्ध नोटिस मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से जारी किया गया जिन विद्यालयों ने कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है।

जय शिव कालेज आफ फामेर्सी एण्ड रिसर्च सेंटर, बुडेरना में विश्व फार्मासिस्ट दिवस धूमधाम से मनाया गया

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के जय शिव कॉलेज ऑफ फामेर्सी एण्ड रिसर्च सेंटर, बुडेरना में विश्व फार्मासिस्ट दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में विविध सांस्कृतिक एवं शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें छात्र -छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के शुभारंभ में कॉलेज के छात्र छात्राओं ने रैली निकालकर ग्रामीण को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। कालेज के प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह ने कहा कि फार्मासिस्ट समाज के सच्चे स्वास्थ्य रक्षक हैं, उनकी भूमिका दवाओं की उपलब्धता, सुरक्षा और सही परामर्श तक सीमित नहीं, बल्कि रोगियों के जीवन को सुरक्षित करने तक है। इस अवसर पर पोस्टर प्रजेंटेशन फार्मा क्विज, रंगोली एवं लेखन प्रतियोगिता तथा मॉडल प्रजेंटेशन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्रों ने अपनी प्रतिभा, ज्ञान और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। मौहम्मद आलिम ने छात्र छात्राओं से विभिन्न प्रकार के टास्क कराये। प्रबंधिका चारू शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।चारू शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने पेशे को समाज की सेवा के रूप में अपनाएँ।इस अवसर पर आकाश कुमार, वर्षा सैनी, अनमता अनवर, लोकेश कुमार व समस्त शिक्षक, कर्मचारी व छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे और समारोह को सफल बनाया।

कलक्ट्रेट सभागार में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत एक दिन की जिलाधिकारी कु. रहनुमा खान एवं जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश@2047 अभियान के अन्तर्गत राजकीय विद्यालयों एवं डिग्री कॉलेज तथा सीबीएसई बोर्ड के प्रधानाध्यापक के साथ विजन डॉक्यूमेंट 2047 के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला विकास अधिकारी राम आशीष द्वारा समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश @2047 के प्रमुख बिन्दुओं के विषय में प्रधानाचार्य को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भारत 2047 में स्वतंत्रता की 100 वीं वर्षगांठ मनायेगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए 12 सेक्टर चिन्हित किये गये। कृषि एवं संबद्ध सेक्टर, पशुधन संरक्षण सेक्टर, औद्योगिक विकास सेक्टर, आईटी, पर्यटन, नगर एवं ग्राम्य विकास, अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वस्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं सुशासन सेक्टर पर कार्य किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान 5 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत 12 सेक्टर को चिन्हित किया गया है जिनपर कार्य किया जाएगा। इनके अतिरिक्त एक 13 वां सेक्टर पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए चिन्हित किया है जिसके 4 बिन्दुओं पर सुझाव प्राप्त किये गये हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि वही योजना सस्टेनेबल होती है जिसमें सभी लोगों के सुझाव होते हैं सब लोगों में भी वह सुझाव जो कॉमन सुझाव निकल कर आये। समस्त विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों के माध्यम से यह अभियान चलाया जाए सभी लोग क्यूआर कोड को स्कैन कर अपना विचार या संकल्प साझा करें। जिलाधिकारी ने कहा कि जो सबसे ज्यादा सुझाव दिलायेगा उन लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा। जिलाधिकारी ने मिशन शक्ति के अंतर्गत सभी प्रधानाचार्यों से कहा कि अपने-अपने सुझाव दें और उन्होंने कहा कि हमारा समाज जागरूक हो हमारी बेटी जागरूक हों उससे हमारे पास अच्छे-अच्छे सुझाव आएंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालयों से छात्राएं हमारे लिए पत्र लिखें एवं जो छात्राएं सबसे अच्छा सुझाव और पत्र या कविता या कहानी लिखेंगीं उन बालिकाओं को सम्मानित किया जाएगा उन्होंने कहा कि पत्र लेखन की परंपरा में भी सुधार आएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालयों में शक्तिपुंज का शुभारंभ किया जाए उन्होंने कहा की शक्ति की बात का भी आयोजन किया जाए जिससे बच्चे अपनी बात कहने में स्वतंत्र हो। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि यह समृद्धि का शताब्दी वर्ष है। समर्थ, सशक्त एवं समृद्ध प्रदेश बनाने में समस्त प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि विकसित उत्तर @2047 के विजन डॉक्यूमेंट के लिए यह संवाद सुझाव परामर्श प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों तथा उनके परिजनों के माध्यम से जाना चाहिए। हमारा मिशन है समग्र विकास जिसमें सभी लोगों को मूलभूत सुविधाएं प्राप्त होंगी। इसके अंतर्गत परम्परा और आधुनिकता का सामजस्य लेते हुए सांस्कृतिक पुनर्जागरण को भी स्थापित किया जाएगा। विकसित देश बनाने के लिए हर परिवार को काम करना होगा। और उन्होंने कहा कि सभी लोग और लोगों को जागरूक करें जिससे एक जन आंदोलन की तरह लोग अपने सुझावों को साझा करें। इस अवसर पर सांकेतिक मुख्य विकास अधिकारी कु.साक्षी चौहान सांकेतिक अपर जिलाधिकारी कु.संगीता, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार एवं समस्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति 5.0: हसनपुर के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के तहत आज राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हसनपुर में एक प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चल रहे इस अभियान में छात्राओं ने हाथों में स्लोगन युक्त बैनर ले रखे थे। जिसमें टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों जैसे '181' (महिला हेल्पलाइन) और '1098' (चाइल्ड हेल्पलाइन) को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। उनके बैनरों पर 'मिशन शक्ति 2025-2026' और 'महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलंबन हेतु' जैसे संदेश लिखे थे। '181' नंबर महिलाओं के लिए तत्काल सहायता प्रदान करने वाली हेल्पलाइन है, जबकि '1098' बच्चों के लिए आपातकालीन सहायता सुनिश्चित करता है। यह पहल छात्राओं और समुदाय को सुरक्षा जागरूकता से जोड़ने का प्रयास है।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पोषण अभियान और एनीमिया मुक्ति जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। मिशन शक्ति 5.0, जो 22 सितंबर से शुरू हुआ, एक माह तक चलेगा।

मलेरिया नियंत्रण के लिए सकरपुर गांव में चलाया गया विशेष अभियान

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निदेर्शानुसार, मलेरिया विभाग ने ब्लॉक पवांसा के ग्राम सकरपुर में मलेरिया रोगी के घर और आसपास के क्षेत्र में मलेरिया नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान चलाया। इस अभियान के तहत मलेरिया विभाग की टीम ने सोर्स रिडक्शन, नालियों में लावीर्साइडल स्प्रे और घरों में स्पेस स्प्रे का कार्य किया। अभियान के दौरान कुल 36 घरों की जांच की गई, जिनमें से 1 घर में लार्वा पाया गया। घरों के अंदर कुल 58 कंटेनरों की जांच की गई, जिनमें से 4 कंटेनरों में लार्वा धनात्मक पाए गए। इसके अलावा, 19 कंटेनरों में भरा हुआ पानी खाली कराया गया। मलेरिया प्रसार को रोकने के लिए 25 घरों में स्पेस स्प्रे किया गया, जिसमें कुल 65 कमरों में छिड़काव कार्य पूरा हुआ। मलेरिया विभाग की इस सक्रिय पहल से गांव में मलेरिया के प्रसार को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे जलभराव को रोकें और मच्छरों से बचाव के लिए सावधानी बरतें।

थाना बनियाठेर में सात वाहनों की नीलामी, 1,02,500 रुपये में हुई सम्पन्न

बनियाठेर/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस महानिदेशक, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन-2.0 के अंतर्गत थानों पर खड़े वाहनों के निस्तारण की प्रक्रिया के तहत जनपद सम्भल के थाना बनियाठेर में 7 वाहनों की नीलामी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। यह नीलामी पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई और अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के कुशल नेतृत्व में आयोजित की गई। नीलामी प्रक्रिया में उपजिलाधिकारी चन्दौसी द्वारा नियुक्त नीलामी अधिकारी नायब तहसीलदार रजत कुमार, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी मनोज कुमार सिंह और थानाध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा की उपस्थिति में नियमानुसार सम्पन्न हुई। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, जनपद सम्भल द्वारा इन 7 वाहनों का मूल्यांकन 76,800 रुपये किया गया था, जबकि नीलामी 1,02,500 रुपये में पूरी हुई। यह नीलामी माल मुकदमाती/एमवी एक्ट के तहत थाना बनियाठेर में खड़े वाहनों के निस्तारण के लिए आयोजित की गई थी। इस प्रक्रिया से न केवल थाना परिसर में स्थान खाली हुआ, बल्कि नियमानुसार वाहनों का निस्तारण भी सुनिश्चित किया गया।

महिलाओं एवं बलिकाओं को पंपलेट वितरित कर हेल्पलाइन नम्बरों से कराया गया अवगत

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों,कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल,पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

आपसी विवाद के बाद दबंग ने की फायरिंग, पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की

लोनी। आपसी विवाद के बाद डाबर तालाब कॉलोनी में मंगलवार शाम दबंगों ने फायरिंग कर दी। फायरिंग होने पर आसपास के लोग अपने घरों में छीप गए। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। जानकारी के अनुसार डाबर तालाब कॉलोनी में पड़ोस में रहने वाले अशफाक और आरिफ के बीच पुराने विवाद को लेकर मारपीट हो गई। आरोप है कि मारपीट के बाद एक पक्ष की ओर से हवाई फायरिंग की गई। गोली फायरिंग की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच में पुलिस को मौके से दो खोखे बरामद हुए। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मामले में पुलिस ने फायरिंग करने वाले आरोपी आरिफ को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने पटाखा बनाने वाले गोदाम पर मारा छापा, तीन गिरफ्तार

लोनी। कोतवाली क्षेत्र के निठौरा गांव मार्ग स्थित चोरी छिपे चल रहे पटाखे के गोदाम पर पुलिस ने मंगलवार रात छापा मारा। छापे के दौरान मौके से भारी मात्रा में पटाखे बरामद हुए हैं। पुलिस ने गोदाम से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। संचालक आगामी त्योहार के लिए तैयारी कर रहे थे। लोनी एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि प्रशासन ने बिना लाइसेंस पटाखे बनाने और बेचने पर रोक लगा रखा है। रोक के बावजूद कुछ लोगों ने चोरी छिपे पटाखे बनाने के लिए गनौली निठोरा मार्ग से कच्चा माल लेकर जाने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस ने छापा मार कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर इनके कब्जे से 16 बोरे पटाखे बनाने का कच्चा सामान बरामद हुआ। पुलिस तीनों को पूछताछ के लिए थाने ले आई। पूछताछ में इन्होंने अपने नाम रजनीश निवासी गनौली, शहजाद और यामीन निवासी असालतपुर फरुखनगर बताएं। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि आरोपियों ने चोरी छिपे दीपावली और शादी समारोह के लिए नकली पटाखे बना रहे थे।

पुलिस ने पटाखा बनाने वाले गोदाम पर मारा छापा, तीन गिरफ्तार

लोनी। कोतवाली क्षेत्र के निठौरा गांव मार्ग स्थित चोरी छिपे चल रहे पटाखे के गोदाम पर पुलिस ने मंगलवार रात छापा मारा। छापे के दौरान मौके से भारी मात्रा में पटाखे बरामद हुए हैं। पुलिस ने गोदाम से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। संचालक आगामी त्योहार के लिए तैयारी कर रहे थे। लोनी एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि प्रशासन ने बिना लाइसेंस पटाखे बनाने और बेचने पर रोक लगा रखा है। रोक के बावजूद कुछ लोगों ने चोरी छिपे पटाखे बनाने के लिए गनौली निठोरा मार्ग से कच्चा माल लेकर जाने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस ने छापा मार कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर इनके कब्जे से 16 बोरे पटाखे बनाने का कच्चा सामान बरामद हुआ। पुलिस तीनों को पूछताछ के लिए थाने ले आई। पूछताछ में इन्होंने अपने नाम रजनीश निवासी गनौली, शहजाद और यामीन निवासी असालतपुर फरुखनगर बताएं। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि आरोपियों ने चोरी छिपे दीपावली और शादी समारोह के लिए नकली पटाखे बना रहे थे।

गजरौला में हुई बोर्ड की बैठक में जमकर बवाल

महिला सभासद ने पूर्व विधायक व नगर पालिका अध्यक्षा के पति का गिरेबान पकड़ा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका से चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां एक बोर्ड बैठक के दौरान सभासदों और पूर्व विधायक एवं नगर पालिका अध्यक्षा पति के बीच जमकर बवाल हो गया ,जिसमें एक महिला सभासद ने पूर्व विधायक एवं नगर पालिका अध्यक्षा पति का गिरेबान पकड़ लिया और उनके साथ अभद्रता की जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है। पूरा मामला नगर कोतवाली की नगर पालिका परिषद का है जहां पर बृहस्पतिवार को एक बोर्ड बैठक का आयोजन कराया गया। नगर पालिका में बोर्ड बैठक शुरू होने के बाद सभासदों और नगर पालिका अध्यक्षा राजेंद्र उर्फ उमा देवी एवं उनके पति पूर्व विधायक हरपाल सिंह के बीच जमकर बहस शुरू हो गई देखते ही देखते विवाद बढ़ने लगा इस दौरान बैठक में मौजूद एक महिला सभासद ने पूर्व विधायक हरपाल सिंह का गिरेबान पकड़ लिया और उनसे अभद्रता से पेश आने लगी। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई पुलिस की मौजूदगी में भी सभासदों और नगर पालिका अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक हरपाल सिंह के बीच तनाव बरकरार रहा ,किसी तरह बीच में घुसकर पुलिस ने पूर्व विधायक हरपाल सिंह का गिरेबान छुड़वाया। इसी बीच किसी ने मामले का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। बता दें कि प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व विधायक हरपाल सिंह अपनी पत्नी को लेने के लिए नगर पालिका पहुंचे थे। विवाद का मामला घंटे तक चलता रहा जिसको वहां मौजूद पुलिस ने बमुश्किल शांत कराया। फिलहाल इस मामले में पूर्व विधायक हरपाल सिंह द्वारा नगर कोतवाली में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

बिलना ग्राम पंचायत में 'स्वच्छता ही सेवा' के तहत चलाया गया सफाई अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकासखंड अमरोहा की ग्राम पंचायत बिलना में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत एक व्यापक सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चल रहे पखवाड़े का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य गांव-गांव में स्वच्छता की संस्कृति को मजबूत करना है। कार्यक्रम का नेतृत्व ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों, बीडीओ नीरज गर्ग और एडीओ पंचायत राजबीर सिंह ने किया। सुबह से ही गांव के मुख्य स्थानों, सड़कों, नालियों और सार्वजनिक स्थलों पर सफाई का कार्य शुरू हो गया। ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने कहा, "यह अभियान न केवल बिलना को स्वच्छ बनाएगा, बल्कि पूरे विकासखंड में स्वच्छता की लहर फैलाएगा। हमने ग्रामीणों को शपथ दिलाई कि वे प्लास्टिक का उपयोग कम करें और कचरा सही जगह डालें।"

नगर पालिका परिषद ने लिया संभल को स्वच्छ बनाने का संकल्प

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन पर स्वच्छता का संकल्प

संभल (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर जनपद में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। स्वच्छता कार्यक्रम में एक दिन, एक घंटा, श्रमदान किया गया। श्रमदान में नगर पालिका परिषद के अधिशाषी अधिकारी डॉ मणिभूषण तिवारी और भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह चौधरी रिंकू के साथ संभल के 37 वार्ड के सभासद और सफाईमित्र भी मौजूद रहे। संभल में कुरुक्षेत्र मैदान में श्रमदान का आयोजन किया गया। जिसमें संभल के भाजपा जिलाअध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह रिंकू के साथ नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी डॉ मणिभूषण तिवारी के साथ ग्रीन संभल कॉरिडोर व 24 कोशिका परिक्रमा के पदाधिकारी और अन्य समितियों के सदस्य मौजूद रहे। जिसमें सभी लोगों ने कुरुक्षेत्र मैदान पर अपना श्रमदान दिया। और आगे भी ऐसे ही नगर पालिका परिषद के साथ-साथ शहर में स्वच्छता का कार्यक्रम करते रहने का आवाहन किया। क्योंकि सभी ने नगर पालिका परिषद अधिशासी अधिकारी डॉ मणिभूषण तिवारी को सफाई में उत्तर प्रदेश में संभल को चौथे स्थान पर लाने का धन्यवाद दिया। और आगे भी इसी तरह से कार्य करने की सराहना की। जिससे हमारा शहर पॉलीथीन मुक्त हो सके। तथा स्वच्छता में अभी अग्रिम पद के लिए कार्य किया जा सके। कार्यक्रम उपरांत श्रमदान में उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। कि वह स्वच्छता के प्रति स्वयं की जिम्मेदारी निभाते हुए। अन्य लोगों को भी स्वच्छता के लिए जागरुक कर सके। और बताया कि यह सिर्फ प्रधानमंत्री जी का ही आवाहन नहीं बल्कि हम सब नागरिकों की जिम्मेदारी भी है। साथी उन्होंने कहा कि जल्दी ही सिंगल यूज प्लास्टिक पर एक बड़ा अभियान चलाया जाएगा। जिससे पॉलिथीन के इस्तेमाल पर पूर्णतः पाबंदी लगाई जा सके। यह कार्यक्रम संभल कुरुक्षेत्र मैदान के साथ हयातनगर महामृत्युंजय तीर्थ पर भी श्रमदान किया गया। जिसमें नागरिकों ने बड़ी संख्या में मौजूद रहे। जिसमें सफाई निरीक्षक आसिफ अली, कर अधिकारी कार्तिक यादव, हरीश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, जेई अमन कुमार, कमलकांत तिवारी, अजयशर्मा, राजकुमार शर्मा, धर्मेंद्रसिंह, जसपाल सिंह, मुकेश शर्मा आदि लोग मौजूदरहे।

कैथल के अनिल ने यूनम पर्वत को किया फतह, अब एवरेस्ट की तैयारी

कैथलः कैथल के खुराना रोड निवासी पर्वतरोही अनिल ने हिमाचल प्रदेश के यूनम यूनम पर्वत चोटी को फतह किया। अनिल ने बताया कि वे 20 सितंबर को घर से निकले थे। उनके साथ झज्जर से विकास और भिवानी से प्रवीण भी थे। तीनों ने करीब 13 घंटे सफर के बाद 23 सितंबर को 6111 मीटर तक चढ़ाई की और मंजिल हासिल की। पर्वतारोहण के लिए उन्होंने कोर्स किए हुए हैं। उनका ए ग्रेड है। इससे पहले वे सिक्किम में भी पहाड़ों पर जा चुके हैं। अब वे माउंट एवरेस्ट पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यूनम पर्वत पर चढ़ने का उद्देश्य केवल फिटनेस और पर्यावरण की ओर लोगों का ध्यान आकर्षिक करना है।

हरियाणा गो संरक्षण कानून को हाईकोर्ट में चुनौती, इस संगठन ने लगाई याचिका

चंडीगढ़ : पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में दायर एक जनहित याचिका के जरिए हरियाणा गोवंश संरक्षण एवं गोसंवर्धन अधिनियम, 2015 की धारा 16 और 17 को असंवैधानिक करार देने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वीमेन (NFIW) का कहना है कि इन धाराओं ने गोरक्षक समूहों को तलाशी और जब्ती जैसी पुलिस शक्तियां प्रदान कर दी हैं, जबकि इसके लिए न तो कोई योग्यता तय है और न ही सुरक्षा संबंधी प्रावधान। याचिका में राज्य सरकार के जुलाई

2021 के उस आदेश का भी जिक्र है, जिसके तहत प्रत्येक जिले में स्पेशल काउ प्रोटेक्शन फोर्स गठित की गई थी। इसमें हरियाणा गोसेवा आयोग के अध्यक्ष द्वारा नामित 3 सदस्य और स्थानीय गोरक्षक समितियों से चुने गए 2 सदस्य शामिल होते हैं, जिन्हें उपायुक्त नियुक्त करते हैं।

याचिकाकताओं का कहना है कि इस व्यवस्था ने गोरक्षक समूहों को न केवल वैधता दी, बल्कि उनकी गतिविधियां और आक्रामक हो गई हैं। कई मामलों में ये स्वयंभू गोरक्षक कथित गोतस्करी या गोवध के नाम पर लोगों से दुर्व्यवहार कर खुद को कानून प्रवर्तक की भूमिका में पेश कर रहे हैं।

दूध चढ़ाने मंदिर गई नाबालिग से साधु ने की छेड़छाड़, फिर ग्रामीणों ने कर दी छित्तर परेड

हांसी : हांसी क्षेत्र के एक गांव में मंदिर के साधु पर नाबालिग से छेड़छाड़ करने का गंभीर आरोप लगा है। छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने साधु की जमकर पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार सोमवार को वे दुधारू भैंस खरीदकर घर लाए थे। परंपरा के अनुसार भैंस का पहला दूध मंदिर में अर्पित करना होता है। इसी दौरान उनकी 11 वर्षीय बेटी दूध लेकर मंदिर पहुंची। आरोप है कि साधु ने उसे दूध रसोई में रखने को कहा और जैसे ही वह अंदर गई, साधु ने उसके साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं। किसी तरह बच्ची खुद को छुड़ाकर घर पहुंची और मां को पूरी घटना बताई। बच्ची ने घर आकर मां को बताई पूरी घटना बुधवार सुबह जब पीड़िता की मां ने यह बात पिता को बताई तो उन्होंने ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद लोग मंदिर पहुंचे और साधु को पकड़ लिया। गुस्साए ग्रामीणों ने उसकी जमकर धुनाई कर फिर मामले की पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची डायल 112 टीम साधु को हिरासत में थाने ले गई। पुलिस ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा में डेंगू और मलेरिया के मामले बढ़े, 700 के पार पहुंचे मरीज, रेवाड़ी में स्थिति सबसे गंभीर

हरियाणा हरियाणा में डेंगू और मलेरिया के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अब तक प्रदेश में डेंगू के 792, मलेरिया के 163 और चिकनगुनिया के 6 केस सामने आ चुके हैं। इनमें सबसे अधिक मामले रेवाड़ी जिले से आए हैं, जहां डेंगू के अकेले 191 केस दर्ज किए गए हैं।

डेंगू के मामले
गुरुग्राम- 53
सोनीपत- 48
रोहतक- 52
करनाल- 56
पंचकूला- 30

बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य

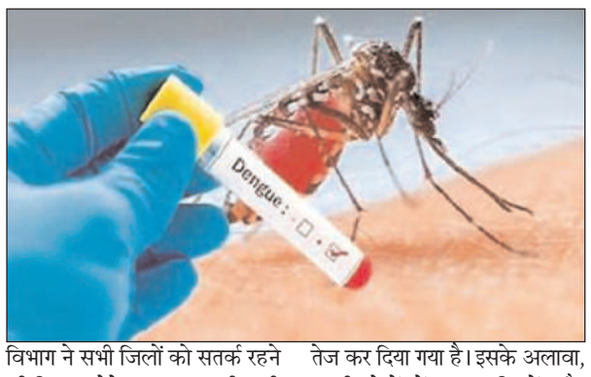

विभाग ने सभी जिलों को सतर्क रहने की हिदायत देते हुए एडवाइजरी जारी कर दी है। मरीजों के सैंपल प्रदेश की 27 परीक्षण प्रयोगशालाओं में भेजे जा रहे हैं और सैंपलिंग की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है। इसके अलावा, शहरी क्षेत्रों में नगर परिषदों और ग्रामीण इलाकों में ग्राम पंचायतों के माध्यम से हाई रिस्क वाले इलाकों में फॉगिंग अभियान भी चलाया जा रहा है।

रेवाड़ी के लिए विशेष हिदायतेंस्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर हेल्थ सर्विस, डॉ. कुलदीप ने बताया कि रेवाड़ी जिले में डेंगू के मामलों की संख्या चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे अपने आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दें, क्योंकि यह मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल होता है। साथ ही, उन्होंने कहा कि लोगों को पूरे बाजू के कपड़े पहनने चाहिए और बुखार या किसी भी संदिग्ध लक्षण के मामले में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करानी चाहिए।

सड़क किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव, हाथ में लिखा है- आई लव यू

इंद्री : इंद्री क्षेत्र के गांव बुढनपुर के पास कुरुक्षेत्र रोड पर वीरवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। राहगीरों द्वारा दी गई सूचना पर इंद्री थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है। शव सड़क के किनारे पड़ा मिला, जिसकी स्थिति देख कर प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। शव की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। एसआई शमशेर सिंह ने बताया कि मृतक के दाहिने हाथ पर 'कर्मबीर'निशा' और आईलव्यू गुदा हुआ मिला है, जो उसकी पहचान में सहायक हो सकता है। पुलिस द्वारा आसपास के गांवों में मृतक की पहचान को लेकर पूछताछ की जा रही है। शव को करनाल के कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज के शवगृह (मर्चरी हाउस) में भेज दिया गया है, जहां पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद ही मृत्यु के असली कारणों का पता चल पाएगा। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। युवक की पहचान होने के बाद ही मामले में आगे की कड़ी स्पष्ट हो पाएगी।

जल विवादः समय पर पानी छोड़ दिया होता तो पंजाब में नहीं आती बाढ़- बीबीएमबी

चंडीगढ़ : पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में बुधवार को भाखड़ा व्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) द्वारा हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने के फैसले पर जोरदार बहस हुई। पंजाब सरकार ने इस निर्णय को चुनौती देते हुए कहा कि बोर्ड को इस तरह का

आदेश जारी करने का कोई अधिकार नहीं है और जल बंटवारा केवल पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के तहत ही संभव है। याचिका में पंजाब ने 23 अप्रैल को हुई बैठक के मिनट्स को चुनौती दी है। उस बैठक में बीबीएमबी ने हरियाणा को 8,500 क्यूसेक पानी देने का निर्णय लिया था। पंजाब सरकार का कहना है कि इस तरह का निर्णय भविष्य में खतरनाक उदाहरण बनेगा। जबकि बीबीएमबी का पक्ष है कि उसने अपने अधिकार क्षेत्र में रहते हुए मौसमी हालात, जलस्तर और सुरक्षा को ध्यान में रखकर ही यह कदम उठाया। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान 23 और 24 अप्रैल की बैठकों के मिनट्स भी देखे। इसमें पाया गया कि हरियाणा ने अतिरिक्त पानी की मांग की थी, जबकि पंजाब ने साफ तौर पर कहा था कि 4,000 क्यूसेक से अधिक पानी नहीं दिया जाना चाहिए। बीबीएमबी चेयरमैन ने तकनीकी कारणों से जलस्तर कम करने की जरूरत बताई और कहा कि यदि उस समय हरियाणा को अतिरिक्त पानी छोड़ा गया होता तो पंजाब में बाढ़ की स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह अगली सुनवाई तक 1974 के उन नियमों की प्रति प्रस्तुत करे, जिनसे बोर्ड की शक्तियां निर्धारित होती हैं। साथ ही अदालत ने सवाल उठाया कि अगर पंजाब को बोर्ड के फैसले पर आपत्ति थी तो उसने केंद्र सरकार से शिकायत क्यों नहीं की।

कुरुक्षेत्र में किसानों ने किया हाईवे जाम, पुलिस और प्रदर्शनकारी आपस में भिड़े

शाहाबाद : भारतीय किसान यूनियन (चढूनी ग्रुप) ने मंगलवार को शाहाबाद में धान की सरकारी खरीद न होने के विरोध में दिल्ली-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे-44 जाम कर दिया। किसानों का कहना है कि 22 सितंबर से धान खरीद शुरू होने का दावा किया गया था, लेकिन अब तक गरीब किसानों की फसल नहीं उठाई गई। किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी ने मौके पर कहा कि सरकार केवल कागजों में खरीद दिखा रही है, जबकि हकीकत में मंडियों से एक कटोरी धान भी नहीं उठी। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। नाराज किसानों ने पहले मार्केट कमेटी कार्यालय के पास धरना दिया

और नारेबाजी की।

इस दौरान शाहाबाद की एसडीएम चिनार चहल भी पहुंचीं और दो घंटे तक बातचीत की, लेकिन समाधान नहीं निकल सका।बातचीत विफल होने पर किसान शिव मंदिर के पास जीटी रोड पर बैठ गए और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस ने लाडवा रोड पर बैरिकेडिंग कर दी और ट्रैफिक को डायवर्ट किया। हालांकि किसान गलियों से निकलकर हाईवे तक पहुंच गए।

प्रशासन फिलहाल किसानों को समझाने और जाम खुलवाने के प्रयास में जुटा है।

हरियाणा में चली तबादला एक्सप्रेस, 89 नायब तहसीलदार का हुआ ट्रांसफर

चंडीगढ़: हरियाणा सरकार ने बुधवार रात राजस्व विभाग के अंतर्गत कार्यरत 89 नायब तहसीलदारों के तबादले कर दिए हैं। यह कदम विभाग में फैले कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर उठाया गया है। सरकार ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि अब राजस्व विभाग में पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था लागू की जाएगी।

तबादले के आदेश राजस्व मंत्री विपुल गोयल के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मंजूरी के बाद जारी किए गए। इसके बाद वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने तबादला आदेश पर हस्ताक्षर किए और सूची जारी की

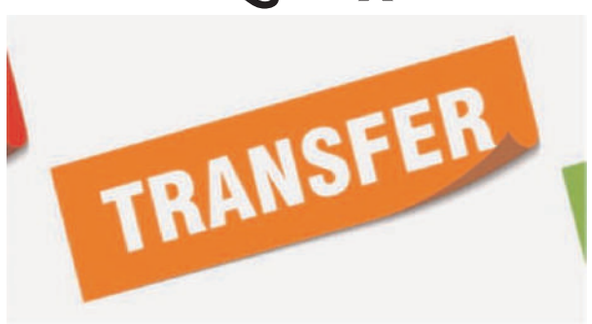

गई। सूत्रों के अनुसार, जिन नायब तहसीलदारों का तबादला किया गया है, उनमें कई अधिकारी लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात थे और उनके कार्य व्यवहार को लेकर लगातार शिकायतें आ रही थीं। खास तौर पर जमीन की रजिस्ट्रियों में भ्रष्टाचार की शिकायतें पिछले कई वर्षों से दर्ज हो रही थीं।

सरकार ने एक साथ इतने बड़े पैमाने पर तबादले कर यह स्पष्ट संकेत दिया है कि अब राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार के लिए 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी।

हरियाणा की बेटी बनीं डीएसपी, पति की हो चुकी मौत, पिता ने दिया जबरदस्त हौसला

नारनौल : हरियाणा के नारनौल जिले की बेटी अंजू यादव ने राजस्थान पुलिस में डीएसपी बनकर परिवार और प्रदेश का मान बढ़ाया है। जयपुर स्थित राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित 55वें बैच की दीक्षांत परेड में 37 वर्षीय अंजू

ने राजस्थान पुलिस सेवा (आरपीएस) अधिकारी के रूप में शपथ ली। अंजू यादव की सफलता संघर्षों से भरी कहानी है। 2021 में पति के निधन के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी। पति की मौत के बाद बेटा मायके में पला और पिता की प्रेरक बातें उनके लिए हौसला बनीं। अंजू के इसी जज्बे ने उन्हें कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ यह मुकाम दिलाया।मूल रूप से धौलेड़ा गांव (नारनौल) की रहने वाली अंजू की शादी अलवर जिले के गंडाला गांव में हुई थी। वे 4 बहनों में सबसे बड़ी हैं। गांव के सरकारी स्कूल से बारहवीं तक की पढ़ाई के बाद उन्होंने डिस्टेंस लर्निंग से स्नातक किया और नारनौल कॉलेज से बीएड की डिग्री हासिल की। परिवार में सरकारी नौकरी वाली पहली महिला 2009 में शादी और 2012 में बेटे के जन्म के बाद भी अंजू ने पढ़ाई और करियर जारी रखा। वे परिवार में सरकारी नौकरी पाने वाली पहली महिला बनीं। उन्होंने 2016 से 2018 तक मध्यप्रदेश के भिंड के जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) में टीचर के रूप में कार्य किया। इसके बाद जयपुर के सरकारी स्कूल में 2019 तक पढ़ाया और फिर 2019 से 2024 तक दिल्ली में सरकारी टीचर रहीं। 2021 में निकली भर्ती में चयनित होने के बाद मई 2024 में उन्होंने डीएसपी के पद पर ज्वाइन किया। अंजू की उपलब्धि आज कई युवाओं और महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

ऑनलाइन कर रहे त्योहारों की खरीदारी, तो इन टिप्स को फॉलो करके ठगी से बचें

नवरात्रि से लेकर दिवाली तक का समय देशभर में शॉपिंग का सबसे बड़ा मौसम माना जाता है। इस साल तो 22 सितंबर से लागू हुए जीएसटी 2.0 रिफॉर्म के चलते ग्राहकों को कई प्रोडक्ट्स पर सस्ती कीमतों में डील मिल रही है। कंपनियां भी बंपर ऑफर्स और छूट के जरिए ग्राहकों को लुभा रही हैं। लेकिन इसी उत्साह और भीड़भाड़ के बीच एक बड़ा साइबर खतरा भी चुपचाप बढ़ रहा है – ऑनलाइन शॉपिंग स्कैम। त्योहारों के दौरान हर साल फिशिंग एक्टिविटी, नकली वेबसाइट, फर्जी कस्टमर केयर नंबर और सोशल मीडिया फ्रॉड में तेजी देखी जाती है। इस बार भी यही ट्रेंड जारी है।

ठग कैसे बना रहे हैं लोगों को निशाना

फर्जी वेबसाइट और नकली कूपन लिंक बनाकर पर्सनल डिटेल चुराना
कस्टमर केयर के नाम पर फिशिंग कॉल या डीपफेक वीडियो का इस्तेमाल भ्रामक मैसेज और क्यूआर कोड के जरिए पेमेंट फ्रॉड करना
मैक्कफी लैब रिपोर्ट 2025 का खुलासा जुलाई 2025 में जारी मैक्कफी लैब रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ एक सीजन में 36,000 से ज्यादा फर्जी अमेजन जैसी साइटें बनाई गईं। 75,000 से अधिक फिशिंग मैसेज भेजे गए। यह डेटा यह दिखाता है कि त्योहारों में ऑनलाइन ठगी का जोखिम कहीं ज्यादा बढ़ जाता है।सुरक्षित ऑनलाइन शॉपिंग के लिए रखें ये सावधानियां सिर्फ ऑफिशियल वेबसाइट या वेरिफाइड ऐप्स से ही शॉपिंग करें। संदिग्ध लिंक, ईमेल या सोशल मीडिया मैसेज पर क्लिक न करें। पेमेंट से पहले हमेशा वेबसाइट का URL और https:// सिक्योरिटी सर्टिफिकेट चेक करें।
बहुत ज्यादा डिस्काउंट वाले ऑफर्स से सतर्क रहें।
डिलीवरी की जानकारी सिर्फ कंपनी के ऑफिशियल ऐप या साइट से लें।
कभी भी अपना वढक पिन या बैंक डिटेल्स किसी से साझा न करें।
मोबाइल और ऐप्स को अपडेट रखें और मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन करें। त्योहारों में चलने वाले आम साइबर स्कैम फर्जी ऑनलाइन स्टोरः सस्ते ऑफर दिखाकर पेमेंट और कार्ड डिटेल चुराना
मैलवेयर ई-कार्डः अनजान लोगों से आए डिजिटल ग्रीटिंग में वायरस हो सकता है
मिस्ड पैकेज मैसेजः "पार्सल डिलीवर नहीं हुआ" जैसे झूठे मैसेज से लिंक पर क्लिक कराना
सोशल मीडिया फ्रॉडः नकली कूपन या प्रतियोगिता में पर्सनल डिटेल्स मांगना सावधानी ही सुरक्षा है
जीएसटी 2.0 रिफॉर्म और बंपर डिस्काउंट्स ने भले ही शॉपिंग को किफायती बना दिया हो, लेकिन अगर आपने थोड़ी सी भी लापरवाही की, तो साइबर ठग आपकी जेब जरूर हल्की कर सकते हैं। इसलिए इस त्योहारी सीजन में स्मार्ट और सतर्क होकर खरीदारी करें, ताकि त्योहारों की खुशी ठगी की मार से फीकी न पड़े।

ड्रेन के पास मिला 28 वर्षीय अज्ञात युवती का शव, पुलिस जांच में जुटी

गोहाना : गोहाना के गांव महमूदपुर के नजदीक नेशनल ग्रीन हाईवे के नीचे से गुजर रही ड्रेन के किनारे उस वक्त सनसनी फैल गई जब वहां एक 28 वर्षीय युवती का शव बरामद हुआ। शव की अब तक पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन

शुरूआती जांच में सामने आया है कि युवती ने जींस और टॉप पहन रखी थी। स्थानीय लोगों की सूचना पर गोहाना सदर थाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। आशंका जताई जा रही है कि युवती को हाईवे से नीचे फेंका गया हो सकता है, हालांकि मौत के असली कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। शव को कब्जे में लेकर सिविल हॉस्पिटल, गोहाना भिजवा दिया गया है। पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में युवती की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले की जांच कर रहे सदर थाना प्रभारी लाल सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर किसी प्रकार के संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं, लेकिन हत्या या आत्महत्या के सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही वास्तविक स्थिति साफ हो सकेगी।

अलविदा 'मिग-2' : एयरफोर्स से फाइटर जेट की विदाई, चंडीगढ़ में दिया वाटर कैनन सैल्यूट

चंडीगढ़ चंडीगढ़ के इंडियन एयरफोर्स स्टेशन से भारतीय वायुसेना के प्रसिद्ध जंगी विमान मिग-21 की विदाई का महत्त्वपूर्ण क्षण नजदीक आ गया है। आज 12 विंग एयरफोर्स स्टेशन में इसके अंतिम प्रस्थान से पहले फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन हुआ, जिसमें मिग-21 को वाटर कैनन सैल्यूट के साथ सम्मानित किया गया। आसमान में सूर्य किरण एरोबेटिक टीम और आकाश गंगा स्काई डाइवर्स ने शानदार एरोबेटिक प्रदर्शन कर समारोह को यादगार बना दिया। जब मिग-21 ने गर्जना करते हुए उड़ान भरी, तो पूरा शहर गूंज उठा। 62 वर्षों के गौरवशाली इतिहास के साथ अब मिग-21 भारतीय वायुसेना से विदा हो रहा है। मिग-21 को पहली बार 1963 में भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। मिकोयन ग्युरेविच (मिग-21) का चंडीगढ़ से करीब छह दशक पुराना गहरा नाता रहा है, और यहीं से इसकी विदाई हो रही है। यह विमान न केवल वायुसेना के लिए बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय रहा है। इसकी विदाई भावुक कर देने वाला क्षण होगा, क्योंकि इसने दशकों तक देश की हवाई सीमाओं की सुरक्षा की है। 26 सितंबर को मिग-21 की आखिरी उड़ान भारतीय वायुसेना ने मिग-21 को आधिकारिक तौर पर 26 सितंबर को रिटायर करने का ऐलान किया है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के आगरा से विशेष टीम भी चंडीगढ़ पहुंच रही है, ताकि इस ऐतिहासिक विदाई में हिस्सा ले सके।मिग-21 का गौरवशाली इतिहास भारत का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान, जिसकी गति ध्वनि की गति से भी अधिक थी। 1971 के भारत-पाक युद्ध में दुश्मन के कई विमानों को मार गिराकर निर्णायक भूमिका निभाई। कारगिल युद्ध (1999) में भी वीरता और ताकत का परिचय दिया।वायुसेना की रीढ़ के रूप में विख्यात, देश की हवाई सुरक्षा की आधारशिला रहा। 62 वर्षों तक भारतीय वायुसेना की ताकत बना रहा। मिग-21 की तकनीकी खूबियां अधिकतम गति लगभग 2,200 किलोमीटर प्रति घंटा (MÔch 2.05)। उड़ान की अधिकतम ऊंचाई 17,500 मीटर। हवा से हवा और हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों से लैस। छोटा, परंतु अत्यंत शक्तिशाली डिजाइन, जो तेज हमलों और हवाई युद्ध के लिए उपयुक्त। मिग-21 की विदाई न केवल भारतीय वायुसेना के लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक भावुक और गौरवशाली क्षण है। यह विमान वर्षों तक हमारी हवाई सीमाओं की रक्षा करता रहा और अब अपनी आखिरी उड़ान के साथ इतिहास बन जाएगा।

मां के ताना बदली जिंदगी..., हरियाणवी बहू ने केबीसी में जीते 5 लाख रुपये

हरियाणा : हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव मोई माजरी की बहू आशा धीरयान ने कौन बनेगा करोड़पति में 5 लाख रुपये जीते हैं। आशा को उनकी मां का एक ताना मारा था कि साल 2020 के लॉकडाउन के दौरान, जब आशा पढ़ाई में लगी थीं, तभी उनकी मां माला देवी ने कहा झ "इतनी किताबें पढ़कर क्या फायदा, जब तक तुम केबीसी में नहीं जाती।" यह वाक्य साधारण नहीं था, बल्कि आशा की ज़िंदगी का टर्निंग पॉइंट बन गया। आज वही आशा कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) सीजन-17 में पहुंची हैं, न केवल 5 लाख रुपये जीतकर अपने सपनों को साकार किया है, बल्कि कई लोगों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

2015 में सोनीपत में हुई आशा की शादी आशा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के खेकड़ा कस्बे की रहने वाली हैं। उनकी शादी 2015 में हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव मोई माजरी के विनोद धीरयान से हुई। वर्तमान में वह अपने पति, 8 साल के बेटे जय, 4 साल की बेटी राशि और मां के साथ सोनीपत शहर में किराये के मकान में रहती हैं। वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं। पिता का निधन 2010 में बीमारी के कारण हुआ था। शैक्षणिक रूप से आशा ने 2017 में B.Ed. और 2021 में M.Sc. (केमिस्ट्री) की डिग्री प्राप्त की। वह लंबे समय तक एक प्राइवेट स्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत रहीं। लेकिन केबीसी में जाने के जुनून ने उन्हें दो महीने पहले नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर किया,

ताकि वे पूरी तरह से तैयारी कर सकें। केबीसी से उनका जुड़ाव नया नहीं था। जब 2000 में शो शुरू हुआ, तब वह केवल 9 साल की थीं। उनके पिता अक्सर कहा करते थे तू एक दिन केबीसी में जाएगी। पिता के सपने और मां की तीखी बातों ने उन्हें आखिरकार उस मंच तक पहुंचा दिया, जहां लाखों लोग पहुंचना चाहते हैं। आशा ने पहली बार 2022 में केबीसी के लिए आवेदन किया था और ग्राउंड ऑडिशन तक पहुंचीं, लेकिन चयन नहीं हो पाया। हार नहीं मानकर उन्होंने मार्च 2025 में फिर से आवेदन किया। इस बार ऐप के जरिए 14 दिनों तक सवालों के जवाब देकर शॉर्टलिस्ट हुईं। फिर 1 जून को दिल्ली में ऑडिशन हुआ और 10 सितंबर को उन्हें मुंबई बुलाया गया। 11 और 12 सितंबर को शो की शूटिंग हुई। खेल के दौरान, जब सुपर संदूक राउंड आया, तो होस्ट अमिताभ बच्चन ने आशा से पूछा कि वह क्या चाहती हैं। उन्होंने कहा सर, मैं आपके हाथों से चाय पीना चाहती हूं। अमिताभ बच्चन ने मुस्कुराते हुए खुद चाय बनाई और आशा को दी। आशा कहती हैं, यह पल मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उस चाय में मेरे पिता के सपनों का स्वाद था।

खेल में जीते 5 लाख और ढेरों गिफ्ट इसके बाद आशा को 5 लाख कैश रुपये, सुपर संदूक में 90 हजार, एक बाइक, गोल्ड का सिक्का, 24 महीने तक देसी घी, और पतंजलि के गिफ्ट मिले।

आशा को पूछा गया आखिरी सवाल आशा करीब 1 घंटे तक हॉट सीट पर रहीं। उन्होंने 10 सवालों के जवाब सही दिए, लेकिन 11वां सवाल गलत हो गया। अमिताभ बच्चन ने उनसे पूछा, "प्रधानमंत्री मोदी ने मालदीव में मां के नाम मुहिम के तहत कौन सा पौधा लगाया?" विकल्प थे, नेशनल ट्री और नेशनल फ्रूट। आशा ने 'नेशनल ट्री' उत्तर दिया, जबकि सही जवाब 'नेशनल फ्रूट- आम' था।

अगर बारिश की वजह से रद्द हुआ पाकिस्तान-बांग्लादेश मैच, फिर फाइनल में किससे होगा भारत का सामना?

नई दिल्ली : एशिया कप सुपर-4 में आज बेहद ही दिलचस्प मुकाबला होने जा रहा है. पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच आज नॉक आउट मैच खेला जाएगा. आज के मुकाबले में जो भी टीम जीतेगी, वो भारत के साथ फाइनल मुकाबला खेलेगी. लेकिन अगर आज के मैच में बारिश आ जाती है और इस वजह से ये मैच रद्द हो जाता है, तब मुकाबले का फैसला किस तरह निकाला जाएगा, आइए जानते हैं. PAK vs BAN मैच में हुई बारिश, तब? पाकिस्तान और बांग्लादेश का मैच अगर बारिश की वजह से रद्द हो जाता है, तब दोनों टीमों को 1-1 अंक दे दिया जाएगा, क्योंकि इस मैच के लिए कोई रिजर्व डे नहीं रखा गया है. क्रिकेट में रिजर्व डे कुछ अहम मुकाबलों के लिए रखे जाते हैं. एशिया कप सुपर-4 पॉइंट्स टेबल में दोनों ही टीमें एक साथ खड़ी हैं, दोनों के पास ही 2-2 अंक हैं. इस मैच के रद्द होने से पाकिस्तान और बांग्लादेश के 3-3 अंक हो

जाएंगे. भारत की फाइनल में किससे होगी टक्कर? बांग्लादेश और पाकिस्तान के इस नॉक आउट मुकाबले के लिए न तो कोई रिजर्व डे है और अंकों में भी दोनों टीमें बराबरी पर हैं. ऐसे में एशिया कप फाइनल का टिकट उस टीम को मिलेगा, जिसका सुपर-4 पॉइंट्स टेबल में नेट रन रेट बेहतर होगा. टीम इंडिया अब तक अपने दोनों मैच जीत चुकी है और पॉइंट्स टेबल में 4 अंकों के साथ टॉप पर है, वहीं नेट रन रेट भी भारत का सबसे बेहतर है. पाकिस्तान और बांग्लादेश के नेट रन रेट पर नजर डालें, तब पॉइंट्स टेबल में पाक टीम का नेट रन रेट +0.226 है, वहीं बांग्लादेश का नेट रन रेट -0.969 है. अगर आज का मैच बारिश की वजह से रद्द हो जाता है, तब बांग्लादेश बिना मैच खेले ही एशिया कप से बाहर हो जाएगी और बेहतर नेट रन रेट की वजह से पाकिस्तान की टीम एशिया कप फाइनल में क्वालीफाई कर जाएगी. इसके बाद एशिया कप फाइनल में पहली बार भारत-पाकिस्तान के बीच टक्कर देखने को मिल सकती है.

इस साल टीम इंडिया के लिए सूर्यकुमार यादव की चमक फीकी, आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए गरजा था बल्ला

नई दिल्ली: सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप में धूम मचा रही है। टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में लीग और सुपर-4 को मिलाकर लगातार 5 मैच जीते हैं। इस दमदार खेल के कारण भारतीय टीम ने फाइनल में भी अपनी जगह बना ली है। हालांकि, फाइनल से पहले उसे अभी अपना आखिरी लीग मैच श्रीलंका के साथ खेलना है। टी20 फॉर्मेट में भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय से लगातार दमदार खेल का प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि सूर्या की अगुवाई में टीम इंडिया की नजर एशिया कप में चैंपियन बनने पर है। हालांकि, चिंता की बात ये है कि सूर्यकुमार यादव की इस साल टीम इंडिया के लिए चमक फीकी रही है। क्योंकि, इस साल के शुरूआत से सूर्या ने भारत के लिए जितने भी टी20 मैच खेले हैं उसमें उनका प्रदर्शन औसत रहा है। वहीं इसी साल हुए इंडियन प्रीमियर लीग में सूर्यकुमार यादव के प्रदर्शन को देखें तो वह बेहतरीन था। टीम इंडिया और मुंबई इंडियंस में सूर्या का प्रदर्शन सूर्यकुमार यादव को लेकर सबसे पहले बात करते हैं इस साल भारतीय टीम में उनके प्रदर्शन की। इस साल सूर्यकुमार टीम इंडिया के लिए अभी तक कुल 9 पारियों में बल्लेबाजी की है। इन पारियों में सूर्या का औसत सिर्फ 12.42 का है, जबकि उनका स्ट्राइक रेट 112.98 का। अगर रन की बात करें तो उन्होंने अभी तक सिर्फ 87 बनाए हैं, जिसमें कोई फिफ्टी नहीं है। दूसरी तरफ इसी साल मुंबई इंडियंस के लिए सूर्यकुमार यादव का बल्ला खूब गरजा था। आईपीएल 2025 में सूर्यकुमार यादव 16 पारियों में बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे थे। इन पारियों में सूर्या ने 65.18 की औसत से 717 रन बनाए,जिसमें 5 अर्धशतकीय पारी शामिल है। वहीं उनका स्ट्राइक रेट 167.91 का रहा। ऐसे में साफ पता चलता है कि इस साल टीम इंडिया की जर्सी में सूर्यकुमार यादव का जादू नहीं चल रहा है।

दुनिया के ग्लैमरस गोल्फर चार्ली हल से डोनाल्ड ट्रंप की खास डिमांड, 79 साल की उम्र में करेंगे ये काम

नई दिल्ली: अमेरिका के राष्ट्रपति अपने छोटे-छोटे बयान को लेकर सुर्खियों में आ जाते हैं। यही कारण है कि दुनिया के सबसे ताकतवर शख्स से जुड़ी किसी भी तरह की जानकारी के लिए लोग उत्सुक रहते हैं। ऐसा ही कुछ मामला ब्रिटेन की ग्लैमरस गोल्फर चार्ली हल से जुड़ा हुआ है। ट्रंप जब ब्रिटेन के दौरे पर गए थे तो चार्ली विंडसर कैसल में ट्रंप के साथ डिनर में एक मेहमान के तौर पर शामिल हुई थीं। इसी दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने उनसे एक खास गुजारिश कर दी, जिसे उन्होंने मान भी लिया। दुनिया की नंबर 10 गोल्फर चार्ली हल, ट्रंप, कीर स्टार्मर और किंग चार्ल्स क्क्कसहित 160 मेहमानों में से एक थीं। ट्रंप के डिनर में मेहमान रही हल ने हाल ही में एक खुलासा किया कि डिनर के दौरान जब मैंने राष्ट्रपति ट्रंप से बात की तो उनके दिमाग में सिर्फ गोल्फ ही चल रहा था। इसी दौरान ट्रंप ने उन्हें उनके साथ गोल्फ खेलने के लिए इनवाइट किया जिसे उन्होंने मान लिया। इस साल के अंत में हो सकता है मैच चार्ली हल ने एक इंटरव्यू में बताया कि, 'मैंने पिछली रात उनसे बात की और उन्होंने मुझे इनवाइट किया है। उन्होंने कहा है कि वह एक खेल तय करना चाहते हैं। यह बहुत अच्छा है। हमने पिछली रात इस बारे में बात की और हम सचमुच साल के अंत से पहले एक मैच जरूर होगा।' उन्होंने कहा, वह एक प्यारे इंसान हैं और मैं उनके साथ बहुत अच्छे से रही। मैं उनके साथ गोल्फ खेलने के लिए उत्सुक हूं और वह सभी के साथ बहुत अच्छी तरह से पेश आए।' चार्ली हल ने कहा, 'हम सिर्फ गोल्फ के बारे में बात कर रहे थे और वह एलपीजीए टूर के कुछ खिलाड़ियों और कुछ गोल्फर को भी जानते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को गोल्फ के बारे में बहुत अच्छी जानकारी थी।' बता दें कि इस हफ्ते के अंत में क्रोगर क्वीन सिटी चैम्पियनशिप जीतने वाली चार्ली हल ट्रंप की एक बड़ी सपोर्टर हैं और उन्होंने मैदान पर उनकी कैपेन ट्रेल डांस की नकल भी की है।

मुंबई इंडियंस ने अगले सीजन से पहले बदला हेड कोच, इस दिग्गज को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई : मुंबई इंडियंस की टीम में कई बड़े बदलाव होने शुरू हो गए हैं. टीम ने नए हेड कोच का चयन कर लिया है. हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में WPL में खेलने वाली मुंबई इंडियंस का नया हेड कोच लिजा केटली को बनाया गया है. लिजा वीमेंस प्रीमियर लीग 2026 के लिए मुंबई इंडियंस के साथ जुड़ रही हैं. लिजा से पहले चार्लोट एडवर्ड्स मुंबई इंडियंस की हेड कोच थीं. नीता अंबानी ने दी बड़ी जिम्मेदारी मुंबई इंडियंस टीम की मालकिन नीता अंबानी ने नए हेड कोच के ऐलान पर कहा कि 'मुंबई इंडियंस फैमिली में लिजा केटली को शामिल करते हुए मुझे बहुत खुशी हो

रही है. लिजा ने अपने पैशन और खेल के प्रति जुनून से कई लोगों को इंस्पायर किया है. इनके आने से मुंबई इंडियंस में एक नए अध्याय की शुरूआत होगी और हम इनके साथ खेल को और बेहतर बनाएंगे' कौन हैं मुंबई इंडियंस की नई हेड कोच? लिजा केटली ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के लिए कई सालों तक खेल चुकी हैं. इस खिलाड़ी के पास कई दशकों का अनुभव है. लिजा ऑस्ट्रेलिया की दो बार वर्ल्ड कप विनिंग टीम का हिस्सा रह चुकी हैं. वीमेंस वर्ल्ड कप 1997 और 2005 इन दोनों में लिजा ऑस्ट्रेलिया स्क्वाड में शामिल थीं, जब टीम ने टाइटल जीता. ये ऐसी पहली महिला क्रिकेटर हैं, जिन्हें इंग्लैंड की वीमेंस नेशनल टीम का फुल टाइम कोच बनाया गया. इंटरनेशनल करियर में 3000 रन ऑस्ट्रेलिया के लिए ओपनिंग करने वाली ये बल्लेबाज लिजा केटली अपने क्रिकेट करियर में 3000 से ज्यादा रन बना चुकी हैं. लिजा ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 9 टेस्ट, 82 वनडे और 1 टी20 इंटरनेशनल मैच खेला है. अब मुंबई इंडियंस ने लिजा को हेड कोच बनाकर बड़ी जिम्मेदारी दी है.

कुलदीप-बुमराह बांग्लादेश के बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूटे, टीम इंडिया ने 41 रन से हराया

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2025 के सुपर-4 के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को 41 हरा दिया। दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में भारत ने जीत के लिए 169 रन का लक्ष्य दिया था. बांग्लादेश 19.3 ओवर में 127 रन पर सिमट गई. 169 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी और टीम का स्कोर जब 4 था, जसप्रीत बुमराह ने तंजीद हसन को आउट कर दिया. तीसरे नंबर पर आए परवेज हुसैन इमोन ने सलामी बल्लेबाज सैफ हसन के साथ दूसरे विकेट के लिए 42 रन जोड़े. परवेज 21 रन बनाकर आउट हुए. इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरे. लगातार गिरते विकेटों के बीच सलामी

बल्लेबाज सैफ हसन ने 51 गेंद पर 5 छक्के और 3 चौके की मदद से 69 रन की पारी खेली. उनका अकेला संघर्ष बांग्लादेश की जीत के लिए पर्याप्त नहीं था. सैफ और परवेज को छोड़ तीसरा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका. पूरी टीम 19.3 ओवर में 127 पर सिमट गई. भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए. कुलदीप यादव ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3, वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में 29 रन देकर 2 विकेट लिए. अक्षर पटेल और तिलक वर्मा को 1-1 विकेट मिला. टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय क्रिकेट टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए थे. भारतीय टीम को शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ने 6.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 77 रन जोड़कर मजबूत शुरूआत दी थी. मध्यक्रम के बल्लेबाज इसका फायदा नहीं उठा सके. लगातार विकेट गिरने से रन गति प्रभावित हुई और कम से कम 30 रन कम बने. अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद पर 75 रन की पारी खेली। इस पारी में 5 छक्के और 6 चौके शामिल रहे. हार्दिक पांड्या ने 29 गेंद पर 38 और गिल ने 19 गेंद पर 29 रन बनाए. शिवम दुबे 2, कप्तान सूर्यकुमार यादव 5, तिलक वर्मा 5 रन बनाकर आउट हुए. अक्षर पटेल 10 रन बनाकर नाबाद रहे. बांग्लादेश के लिए के लिए तंजीम हसन साकिब, मुस्तिफुजर रहमान, मोहम्मद सैफुद्दीन ने 1-1 और रिशाद हुसैन ने 2 विकेट लिए.

40 शतक, 12 हजार से ज्यादा रन... अर्जुन तेंदुलकर की उम्र तक सचिन तेंदुलकर ने क्या कारनामे किए थे? आस-पास भी नहीं बेटा

नई दिल्ली: क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने अपने पूरे करियर में बल्लेबाजी के तमाम ऐसा रिकॉर्ड्स बनाए जिनको तोड़ पाना लगभग नामुमकिन है। सचिन ने 100 इंटरनेशनल शतक लगाए, जिसके करीब दुनिया का कोई भी दूसरा बल्लेबाज नहीं है। हालांकि उनके बेटे अर्जुन तेंदुलकर क्रिकेट के खेल में इतना खास कुछ नहीं कर पाए, जैसा सचिन ने किया था। अर्जुन इस वक्त 26 साल के हैं और इस रिपोर्ट में हम उन आंकड़ों पर नजर डालेंगे कि 26 साल की उम्र तक सचिन तेंदुलकर ने क्या किया था। सचिन का करियर रहा शानदार 26 साल की उम्र तक सचिन तेंदुलकर ने 12,978 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए थे, जिनमें टेस्ट में 5,000 से ज्यादा और वनडे में 7,800 से ज्यादा रन शामिल थे। उनके नाम 40 अंतर्राष्ट्रीय शतक और 54 का तगड़ा टेस्ट औसत था। वह पहले ही दो विश्व कप (1992 और 1996) खेल चुके थे। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में शतक लगा चुके थे और अपनी गेंदबाजी से 91 विकेट ले चुके थे, जिससे वह बहुत कम उम्र में ही एक पूर्ण और रिकॉर्ड तोड़ने वाले क्रिकेटर के रूप में स्थापित हो गए। 26 साल की उम्र तक सचिन तेंदुलकर का तगड़ा रिकॉर्ड: अंतर्राष्ट्रीय रनः 12,978 रन, जिनमें टेस्ट में 5,177 और वनडे में 7,801 रन शामिल हैं। शतकः 40 अंतर्राष्ट्रीय शतक (वनडे में 21, टेस्ट में 19)। बल्लेबाजी औसतः टेस्ट में 54.00 और वनडे में 44.00 का औसत। विश्व कपः 1992 और 1996 के विश्व कप में भाग लिया। गेंदबाजीः अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में 91 विकेट लिए। अर्जुन तेंदुलकर ने नहीं खेला कोई इंटरनेशनल मैच वहीं अगर अर्जुन तेंदुलकर के करियर की तरफ देखें तो उन्होंने अभी तक कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है और ना ही वे टीम इंडिया के लिए चुने गए हैं। वहीं आईपीएल में अर्जुन ने 5 मैच खेले हैं और उन्होंने 3 विकेट हासिल किए हैं। इसके अलावा रनों की बात करें तो उन्होंने 13 रन बनाए हैं। ऐसे में अर्जुन को अभी तक करियर में बहुत कुछ करना बाकी है।

टेलर स्विफ्ट को चार्ली किर्क की तरह हत्या का खौफ? बॉयफ्रेंड का मैच देखने बुलेटप्रूफ शील्ड में पहुंचीं

नई दिल्ली: जिस अमेरिका का वीजा पाने, नागरिकता पाने के लिए दुनियाभर के लोग करोड़ों देने के लिए तैयार रहता है अब वहीं अमेरिका अपनी सुरक्षा को लेकर सबसे खतरनाक देश बनता जा रहा है। दुनिया के सबसे मजबूत और ताकतवर शख्स डोनाल्ड ट्रंप के सबसे कहे जाने वाले करीबी चार्ली किर्क का सरेआम मर्डर कर दिया गया। यही वजह है कि दुनिया की सबसे मशहूर सिंगरों में से एक टेलर स्विफ्ट अपने बॉयफ्रेंड ट्रैविस केल्सी का एनएफएल मैच देखने एक बुलेटप्रूफ शील्ड में पहुंची। रविवार को कैनसस सिटी चीफ्स और फिलाडेल्फिया ईगल्स के मैच में स्विफ्ट पहुंची तो एक इस नजारा को देख फैंस हैरान थे। टेलर स्विफ्ट को बुलेटप्रूफ बैरियर के पीछे एरोहेड स्टेडियम के अंदर गुजरते हुए देखा गया। इस घटना के बाद टेलर स्विफ्ट के लिए अलग-अलग तरह की बातें सामने आ रही है, जिसे जिसे चार्ली किर्क के मर्डर के साथ जोड़ कर देखा जा रहा है। बता दें कि टेलर अपने बॉयफ्रेंड ट्रैविस केल्सी का मैच देखे पहुंचीं थी। ट्रैविस केल्सी कैनसस सिटी चीफ्स के लिए खेलते हैं। टेलर आमतौर पर ट्रैविस को खेलते हुए देखने के लिए एरोहेड में हाई प्रोफाइल एंट्री करती हैं, जिसके कई वीडियो वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद है, लेकिन रविवार को ऐसा नहीं हुआ और यह साफ नहीं हो पाया है कि उन्हें इस तरह की सिक्योरिटी की जरूरत क्यों पड़ी। टेलर स्विफ्ट को लेकर जिस तरह की सुरक्षा का इंतजाम किया उसके पीछे की वजह को लेकर ये कहा जा रहा है कि चार्ली किर्क की तरह अन्य किसी बड़े सेलिब्रिटी को भी निशाना बनाया जा सकता है।

25 साल के अभिषेक शर्मा ने रचा इतिहास, एशिया कप में कोहली के बाद ये कारनामा करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट के युवा सितारे अभिषेक शर्मा ने एशिया कप 2025 में बल्ले से धमाल मचाकर नया इतिहास रच दिया है. 25 वर्षीय इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने बांग्लादेश के खिलाफ सुपर-4 मुकाबले में छक्का लगाते ही वह मुकाम हासिल कर लिया, जो अब तक केवल विराट कोहली के नाम था. अभिषेक एक एशिया कप टी20 एडिशन में 200 रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय और दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं. विराट कोहली के बाद किया ये कारनामा एशिया कप टी20 के इतिहास में अब तक केवल विराट कोहली ही 200 से ज्यादा रन बनाने का कमाल कर पाए थे. कोहली ने 2022 एशिया कप में 276 रन बना डाले थे. वहीं, पाकिस्तान के विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान ने उसी साल 281 रन बनाकर रिकॉर्ड अपने

नाम किया था. अब अभिषेक शर्मा भी इस खास क्लब में शामिल हो गए हैं. उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 27 रन पूरे करते ही यह उपलब्धि हासिल कर ली. लगातार दो हाफ सेंचुरी जड़ने वाले खिलाड़ी अभिषेक ने एशिया कप के टी20 प्रारूप में एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया है. वह विराट कोहली के बाद लगातार दो अर्धशतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं. पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 24 गेंदों पर फिफ्टी जड़कर अपने कोच युवराज सिंह का भी पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया था. इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ भी उन्होंने 25 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की और पारी को बड़े स्कोर में बदला. शानदार फॉर्म में अभिषेक बांग्लादेश के खिलाफ सुपर-4 मैच में अभिषेक शर्मा ने 37 गेंदों पर 75 रनों की विस्फोटक पारी खेली. इस दौरान उन्होंने 6 चौके और 5 शानदार छक्के जड़े. इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्होंने विस्फोटक बल्लेबाजी से टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया था. मौजूदा एशिया कप में वह अब तक 5 पारियों में 248 रन का पहाड़ खड़ा कर चुके हैं और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं. रिकॉर्ड बुक में जगह बनाने की ओर टी20 एशिया कप में भारत की ओर से सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अभी भी विराट कोहली (429 रन, 10 मैच) के नाम है. रोहित शर्मा 271 रनों के साथ दूसरे नंबर पर हैं, लेकिन जिस फॉर्म में अभिषेक बल्लेबाजी कर रहे हैं, उसमें वह रोहित को पीछे छोड़कर भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन सकते हैं. अगर वह आने वाले मैच में 99 रन और बना लेते हैं, तो यह रिकॉर्ड भी उनके नाम हो जाएगा.

सरफराज खान की खराब किस्मत, जानें क्यों नहीं मिली टीम इंडिया में जगह, सेलेक्टर्स ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली: वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान हो गया है, जिसमें कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। इस सीरीज के लिए युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का एक मिश्रण चुना गया है, जिसका नेतृत्व शुभमन गिल करेंगे, जबकि रविंद्र जडेजा उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के साइकल में यह टीम इंडिया की दूसरी सीरीज है। सरफराज खान को क्यों नहीं मिला मौका टीम में सबसे चौंकाने वाला बदलाव कुछ खिलाड़ियों का बाहर होना है। अभिमन्यु ईश्वरन, शार्दुल ठाकुर और करुण नायर को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं, घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले सरफराज खान को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने बताया कि सरफराज चोटिल हैं, जिसके कारण उन्हें टीम में नहीं लिया गया। यह उनके और उनके फैंस के लिए एक निराशाजनक खबर है। देवदत्त पडिक्कल स्क्वाड में शामिल इस टीम में कुछ खिलाड़ियों की वापसी हुई है, जिनमें देवदत्त पडिक्कल प्रमुख हैं। पडिक्कल ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शतक बनाकर शानदार फॉर्म में वापसी के संकेत दिए थे। उन्हें नवंबर 2024 के बाद पहली बार टेस्ट टीम में मौका मिला है। विकेटकीपर के रूप में इंग्लैंड सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले ध्रुव जुरेल को बरकरार रखा गया है और उनके साथ एन जगदीसन को बैकअप के तौर पर शामिल किया गया है। यह सीरीज भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न सिर्फ युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा साबित करने का मौका देगी, बल्कि शुभमन गिल की कप्तानी में टीम के प्रदर्शन पर भी सबकी नजरें होंगी। यह टीम का भविष्य तय करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बीसीसीआई ने वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए किया टीम इंडिया का एलान, इन 5 स्टार खिलाड़ियों को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जाने वाली 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का एलान कर दिया है. बीसीसीआई ने इस सीरीज के लिए 15 खिलाड़ियों का चयन किया है. इसमें एन जगदीसन, साई सुदर्शन, नितीश कुमार रेड्डी और देवदत्त पडिक्कल जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं. हालांकि, इस टीम में 5 स्टार खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है. 1- ऋषभ पंत टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेलते नहीं दिखेंगे. वह टीम में शामिल नहीं किए गए हैं. हालांकि, इसका कारण है उनका फिट न होना. पंत अभी चोट से रिकवरी कर रहे हैं. उनके न होने पर ही एन जगदीसन को रिजर्व विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है. 2- श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए के कप्तान रहे श्रेयस अय्यर दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेले थे. ऐसा लग रहा था कि अब टेस्ट टीम में श्रेयस अय्यर की वापसी हो जाएगी, लेकिन अय्यर के अचानक चोटिल होने से उनकी वापसी रुक गई. यही माना जा रहा है कि पूरी तरह फिट

नहीं होने की वजह से श्रेयस अय्यर को नहीं चुना गया है. 3- सरफराज खान घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने वाले सरफराज खान को वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी नहीं चुना गया है. वह डोमेस्टिक क्रिकेट के हर टूर्नामेंट में रन बना रहे हैं. यहां तक शतक भी लगा रहे हैं. फिर भी टेस्ट टीम में सरफराज खान का सेलेक्शन नहीं हुआ है. 4- करुण नायर करीब 10 साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले करुण नायर एक सीरीज के बाद टीम इंडिया से बाहर कर दिए गए हैं. इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा रहे करुण नायर को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुना गया है. 5- मोहम्मद शमी स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुने गए हैं. वह अब पूरी तरह से फिट भी हैं. इसके बाद भी चयनकताओं ने उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए नहीं सेलेक्ट किया. वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, एन जगदीसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव.

ब्लैक कॉमेडी फिल्म लॉर्ड कर्जन की हवेली में नजर आने वाली हैं रसिका दुग्गल

मिर्जापुर वेब सीरीज में बीना त्रिपाठी के किरदार से मशहूर हुईं एक्ट्रेस रसिका दुग्गल जल्द ही एक ब्लैक कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का नाम है लॉर्ड कर्जन की हवेली। रसिका दुग्गल ने फिल्म लॉर्ड कर्जन की हवेली का एक शानदार पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। फिल्म के इस पोस्टर में फिल्म के मुख्य कलाकार नजर आ रहे हैं।

लॉर्ड कर्जन की हवेली इस साल 10 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन अंशुमान झा ने किया है, जो उनकी पहली निर्देशित फिल्म है। इस फिल्म में अर्जुन माथुर, तन्मय धनानिया और परेश पाहुजा भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

लॉर्ड कर्जन की हवेली

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह फिल्म पूरी तरह से ब्रिटेन में एक ही लेंस से शूट की गई है। यह एक रहस्यमयी और मजेदार कहानी है, जिसमें कॉमेडी, थ्रिलर और पहचान जैसे विषयों को दर्शाया गया है। रसिका ने बताया कि फिल्म का प्रीमियर मेलबर्न में हुआ था और इसे कई फिल्म समारोहों में दर्शकों ने खूब पसंद किया। खास तौर पर शिकागो में दर्शकों के साथ इसे देखने का अनुभव उन्हें बहुत अच्छा लगा। फिल्म का निर्माण गोल्डन रेशियो फिल्म्स और फर्स्ट रे फिल्म्स ने मिलकर किया है। इस फिल्म को मैक्स मार्केटिंग लिमिटेड प्रस्तुत कर रहा है।

सेलेब्स ने दी शुभकामनाएं

एक्टर संजय बिश्नोई ने रसिका की इस पोस्ट पर क्लैप इमोजी शेयर किया है। वहीं रसिका के फैंस उनकी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। एक फैन ने लिखा, अरे वाह नया वाला.. बहुत अच्छा लग रहा है.. इसे देखने के लिए उत्साहित हूं, एक और फैन ने लिखा, वाह, यह तो बहुत बढ़िया है, हवेली के लिए शुभकामनाए।

यश के साथ टॉक्सिक में दिखेंगी रुक्मिणी वसंत

ऋषभ शेट्टी अभिनीत फिल्म कांतारा चैप्टर 1 में अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत अहम भूमिका निभाएंगी। आज इस फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ है। रुक्मिणी के पास ऋषभ शेट्टी के बाद एक और साउथ सुपरस्टार की फिल्म भी है। वे केजीएफ फेम रॉकी भाई उर्फ यश की अगली फिल्म में भी नजर आएंगी।

यश की इस फिल्म में नजर आएंगी रुक्मिणी

रुक्मिणी साउथ सुपरस्टार यश की अगली बहु चर्चित फिल्म टॉक्सिक में भी नजर आएंगी। रुक्मिणी वसंत चर्चित एक्ट्रेस हैं, जो साउथ इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। वे मुख्य रूप से कन्नड़ तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने बीरबल (2019) से अपने करियर की शुरुआत की थी।

कब रिलीज होगी कांतारा चैप्टर 1

रुक्मिणी ने हाल के दिनों में कांतारा चैप्टर 1 में अपनी एंट्री को लेकर सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद रुक्मिणी यश की टॉक्सिक और प्रशांत नील-जूनियर एनटीआर की फिल्म ड्रैगन में भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। बता दें कि 'कंतारा: चैप्टर 1' के निर्देशन की कमान भी ऋषभ शेट्टी ने संभाली है। यह होम्बले फिल्म्स के सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। यह फिल्म दो अक्तूबर को दशहरा के मौके पर रिलीज होगी।

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड फेम साहेर बंबा ने बताया आर्यन खान के साथ काम करने का अनुभव

अभिनेत्री साहेर बंबा ने हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अपने अनुभवों को साझा किया है। इस सीरीज में वह करिश्मा तंवर का किरदार निभा रही हैं। इस शो में उनका सबसे खास अनुभव आर्यन खान के साथ काम करना था। साहर ने कहा, आर्यन एक तरह से हार्ड टास्क मास्टर हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह एकदम सख्त हैं। वह कलाकारों से उनके बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं। वह केवल स्क्रिप्ट तक सीमित नहीं रहते, बल्कि कलाकारों को अपने किरदार की गहराई तक पहुंचने के लिए प्रेरित करते हैं। उनके काम के प्रति लगाव और स्पष्ट सोच देखकर ऐसा लगता है कि वह किसी अनुभवी निर्देशक से कम नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा, निर्देशक के तौर पर आर्यन सेट पर पूरी तरह से उपस्थित रहते हैं और काम को लेकर उनका ध्यान हर छोटी से छोटी बात पर होता है। आर्यन के साथ काम करते हुए मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैं एक नए निर्देशक के साथ काम कर रही हूं। बल्कि, ऐसा लगा जैसे मैं ऐसे निर्देशक के साथ काम कर रही हूं जो दशकों से इस क्षेत्र में है। सेट पर चाहे कितनी भी मुश्किलें क्यों न हों, आर्यन पूरी शांति से अपने काम को संभालते हैं और किसी भी परेशानी से घबराते नहीं हैं। उनकी यह स्थिरता पूरे सेट के लिए एक प्रेरणा की तरह होती है। साहर ने बताया, आर्यन बहुत संवेदनशील और विचारशील व्यक्ति हैं। शूटिंग खत्म होने के बाद भी वह कलाकारों की परवाह करते हैं। वह कई बार शूटिंग खत्म होने के बाद कॉल करके पूछते थे कि कलाकारों को अपने सीन कैसे लगे, क्या वे अपने प्रदर्शन से खुश हैं या कोई सुधार चाहिए। यह छोटे-छोटे काम दिखाते हैं कि वह अपने कलाकारों की कितनी परवाह करते हैं। इस तरह का व्यवहार किसी भी कलाकार को आत्मविश्वास देता है। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

नोरा फतेही ने इंटरनेशनल पंजाबी एंथम के बाद बांग्ला गाने की दी झलक

हाल ही में, ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने यो यो हनी सिंह के साथ अपने धमाकेदार इंटरनेशनल पंजाबी एंथम, आई एम सो रिच की घोषणा की। इस ट्रैक को पहले से ही अगला ग्लोबल पार्टी एंथम माना जा रहा है। लेकिन यह एंथम रिलीज़ होने से पहले ही, नोरा ने संगीतकार संजॉय के साथ अपनी हालिया बातचीत से एक नया उत्साह जगा दिया है — इस बार बांग्ला में! यह हल्की-फुल्की बातचीत जल्द ही एक मज़ेदार वादा बन गई, जब नोरा ने हँसते हुए कहा, दोस्तों, मुझे नहीं पता इस आदमी ने मुझसे क्या करवाने के लिए राजी कर लिया है... हम एक बांग्ला गाना कर रहे हैं। मेरे लिए दुआ करना! संजॉय ने तो एक संभावित हुक लाइन भी सुझा दी- की माया, लगाइसो।

अगर यह प्रयोग साकार होता है, तो बांग्ला दर्शकों को जल्द ही नोरा की आवाज़ में अपनी भाषा का कोरस सुनने को मिल सकता है — और यह उनकी बहुभाषी ग्लोबल आर्टिस्ट की पहचान को और मजबूत करेगा। नोरा ने कहा, सिर्फ ग्लोबल होना ही नहीं, बल्कि हर संस्कृति को सच्चे दिल से सेलिब्रेट करना ज़रूरी है। इस बीच, अपने संगीत प्रयोगों के अलावा, नोरा फ़तेही बड़े पर्दे पर भी अपने पंख फैला रही हैं — वह कंचना 4 में लीड रोल में नज़र आएंगी और कई नए प्रोजेक्ट्स की तैयारी में हैं। चाहे संगीत हो या सिनेमा, यह ग्लोबल स्टार फिलहाल रुकने के मूड में नहीं है।

संगीतकार संजॉय के साथ एक मज़ेदार बातचीत के दौरान नोरा ने बंगाली गाने में अपनी आवाज़ देने की संभावना को छेड़ा। संजॉय ने जब उन्हें बांग्ला कोरस गाने का सुझाव दिया, तो नोरा — जो पहले ही अरबी, स्वाहिली और पंजाबी में गा चुकी हैं — उन्होंने माना कि बांग्ला बहुत खूबसूरत लेकिन थोड़ा डर लग रहा है। उन्होंने मज़ाक में पूछा, अगर मैं बेवकूफ जैसी लगूं तो? जिस पर संजॉय ने भरोसा दिलाया, नहीं, तुम नहीं लगोगी। हम इसे एक जश्न बनाएंगे।

आवेज दरबार से रिश्ते के बारे में बताने की जरूरत नहीं

हाल ही में 'बिग बॉस 19' के घर से बाहर हुईं अभिनेत्री नगमा मिराजकर ने साथी कंटेस्टेंट आवेज दरबार के साथ अपने रिश्ते को लेकर खूब सुर्खियां बटोरीं थीं। उन्होंने एक विशेष बातचीत में अपने रिश्ते और बिग बॉस हाउस में चल रहे लव एंगल्स पर बात की। अपने और आवेज के रिश्ते पर बात करते हुए नगमा ने कहा, मैं आवेज दरबार को लंबे समय से जानती हूं और उनके बारे में कोई बात मुझसे छुपी नहीं है। मुझे किसी को भी हमारे रिश्ते के बारे में बताने की जरूरत नहीं है। हम एक-दूसरे को जानते हैं और यही मायने रखता है।

शादी की प्लानिंग के बारे में बात करते हुए नगमा ने ने कहा, वह और आवेज जल्द ही शादी करने की योजना बना रहे हैं। मैं चाहती हूं कि वह बिग बॉस में अंत तक रहे और जीतकर वापस आए। उसके बाद इंशाअल्लाह, हम शादी के बंधन में बंध जाएंगे। नगमा को कुछ प्रोजेक्ट में इसलिए लिया गया कि वो आवेज दरबार को जानती हैं, इस पर नगमा बोलीं, मुझे लगता है कि ऐसा कहना अनुचित है। हमने एक-दो गानों पर साथ काम किया है, लेकिन यह दावा करना कि हमें कनेक्शन के जरिए काम मिलता है, सही नहीं है। हर किसी को अपनी मेहनत और प्रतिभा से काम मिलता है। हमने यहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है और ईश्वर की दया से हम अपनी मेहनत से आगे बढ़ते रहेंगे। नगमा ने कहा कि वह बाहर से ही आवेज दरबार को सपोर्ट कर रही हैं और चाहती हैं कि इस बार वह विनर बनें।

'निशानची' में रिंकू के किरदार में हो रही वेदिका पिंटो की चर्चा

अनुराग कश्यप की फिल्म 'निशानची' रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर काफी चर्चा हो रही है। अब रिलीज के बाद भी दर्शकों से फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के रिलीज होने के बाद अब मुख्य अभिनेता ऐश्वर्य ठाकरे के अलावा अगर किसी की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, तो वो हैं वेदिका पिंटो। वेदिका 'निशानची' की हीरोइन हैं।

बचपन से डांस में थी रुचि

मुंबई में एक ईसाई परिवार में जन्मीं वेदिका पिंटो के पिता जॉनी पिंटो एक हिंदी फिल्म बिजनेस एसोसिएट थे और मां बैंकर हैं। वेदिका को शुरू से ही एक्टिंग और डांस में रुची थी। स्कूल के समय में उन्होंने कई नेशनल और इंटरनेशनल डांस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन से ग्रेजुएशन किया है।

म्यूजिक वीडियो 'लिग्गी'से मिली पहचान

बॉलीवुड में एंट्री से पहले वेदिका कुछ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आई हैं। वेदिका को पहचान 2019 में आए ऋत्विज के म्यूजिक वीडियो 'लिग्गी' से मिली। यह गाना काफी पसंद किया गया इसके बाद वो अरमान मलिक के गाने 'बस तुझसे प्यार हो' में भी नजर आई।

'ऑपरेशन रोमियो' से की बॉलीवुड में शुरुआत

कई ऑडिशन देने के बाद वेदिका को पहली फिल्म मिली साल 2022 में, जब वो नीरज पांडे द्वारा निर्मित 'ऑपरेशन रोमियो' में नजर आईं। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। इसके बाद वो आदित्य रॉय कपूर और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'गुमराह' में नजर आईं। यह फिल्म भी कुछ खास नहीं रही।

सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं वेदिका

वेदिका सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपने इंस्टाग्राम पर अक्सर अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर वेदिका के 2 लाख 53 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं।

'निशानची' में वेदिका ने निभाया है डांसर का किरदार

'निशानची' वेदिका पिंटो की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में वेदिका ने रिंकू का किरदार निभाया है, जो एक डांसर है। फिल्म में वेदिका के अभिनय की काफी तारीफ भी हो रही है। अनुराग कश्यप ने भी हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वेदिका के अभिनय की तारीफ की थी। अब देखना ये है कि क्या 'निशानची' वेदिका के करियर में मील का पत्थर साबित होगी या नहीं?

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।